PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 257 ● भिलाई, बुधवार 22 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

तालाब में डूबकर तीन सगे भाई बहनों की मौत

कंधई। थाना क्षेत्र के शाल्हीपुर कंजास गांव में नहाते समय डूबकर तीन भाई बहनों की मौत हो गई। घटना के बाद जहां परिवार में कोहराम मच गया है वहीं पूरे गांव में मातम छा गया है। गांव निवासी विजय बहादुर यादव के तीन लड़के सबसे बड़ी बेटी 12 वर्ष, बड़ा बेटा 8 वर्ष और छोटा बेटा 5 वर्ष तीनों घर के सामने तालाब में नहाने गए थे। सोमवार को जब तीनों तालाब में घुसे तो बाहर ही नहीं निकले। यह देख परिजनों में हड़कंप मच गया। आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए। लोगों ने तालाब मे घुसकर खोजबीन की। की देर बाद तीनों को बाहर निकाला गया लेकिन उनकी सांसें थम चुकी थीं। इससे परिवार में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि विजय बहादुर की चार संतानें हैं। सबसे छोटा बेटा आठ माह का है। एक साथ तीन बच्चों की मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से हर कोई स्तब्ध है। तीनों बच्चे गांव के ही प्राथमिक विद्यालय कंजास में ही पढ़ने जाते थे

झारखंड समेत 9 राज्यों में तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देश के कई राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में लू चलने की बहुत अधिक संभावना है। वहीं, झारखंड, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और सिक्किम समेत कई राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी यूपी, पश्चिमी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 23 अप्रैल तक हीटवेव (लू) की चेतावनी जारी की गई है। दिल्ली में भी तापमान बढ़ गया है और लोग गर्मी से परेशान हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, पूर्वी उत्तर प्रदेश, विदर्भ, आंतरिक ओडिशा, रायलसीमा, झारखंड, राजस्थान और गुजरात में दिन का अधिकतम तापमान 40एष्ट-45एष्ट के बीच दर्ज किया गया।

सनकी पिता ने अपनी ही जुड़वा बेटियों का रेत दिया गला

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक पिता ही अपनी मासूम बच्चियों का काल बन गया। यहां एक दवा कारोबारी ने अपनी 11 साल की जुड़वा बेटियों की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। हैरानी की बात यह है कि जब इस खौफनाक हत्याकांड को अंजाम दिया जा रहा था, तब पत्नी और बेटा बगल के कमरे में ही सो रहे थे और उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी। पत्नी को इस अनहोनी का पता तब चला जब खुद पुलिस ने घर पहुंचकर उसे नींद से जगाया। करीब 13 साल पहले लव मैरिज करने वाले इस हंसते-खेलते परिवार में आखिर ऐसा क्या हुआ कि पिता ने अपनी ही बेटियों को मौत के घाट उतार दिया, यह जानकर त्रिमूर्ति अपार्टमेंट ही नहीं बल्कि हर कोई सन्न है।

ईरान-अमेरिका जंग: ट्रंप का फाइनल अल्टीमेटम

या तो डील करो या हमले के लिए रहो तैयार-ट्रंप....

नई दिल्ली/ एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी भारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा संदेश दिया है। बुधवार को समाप्त हो रहे अस्थायी युद्धविराम की समय सीमा से ठीक पहले ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि कूटनीतिक बातचीत विफल रहती है तो अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। सीएनबीसी को दिए एक विशेष इंटरव्यू में ट्रंप ने एक तरफ ताकत का प्रदर्शन किया, तो दूसरी तरफ एक 'बड़ी डील' की संभावना पर भी जोर दिया। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब बुधवार को दो सप्ताह का युद्धविराम समाप्त होने वाला है और शांति वार्ता के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन सैन्य रूप से तैयार है लेकिन उन्हें अब भी भरोसा है कि ईरान के साथ इस गतिरोध का अंत एक शानदार समझौते के साथ हो सकता है। व्हाइट हाउस की यह रणनीति साफ तौर पर 'मैक्सिमम प्रेशर' (अधिकतम दबाव) की नीति को दर्शाती है, जहां तेहरान पर दबाव बनाए रखते हुए बातचीत के दरवाजे भी खुले रखे गए हैं। ट्रंप ने ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकाबंदी को 'सफल' करार देते हुए तर्क दिया कि इसने वाशिंगटन की बातचीत करने की शक्ति को और मजबूत किया है। हालांकि, ईरान इस नाकाबंदी को लेकर सख्त नाराज है। तेहरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन और समुद्री क्षेत्र में शत्रुतापूर्ण कार्रवाई बताया है। ईरान की मांग है कि बातचीत को सार्थक बनाने के लिए इन समुद्री प्रतिबंधों को तुरंत हटाया जाए। शांति की उम्मीदों के बीच ट्रंप ने एक बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वे मौजूदा समय सीमा के बाद युद्धविराम को और आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। पिछले दो हफ्तों के दौरान युद्ध में अस्थायी शांति देखी गई थी, जिससे कूटनीतिक रास्ता खुला था। लेकिन अब दोनों पक्ष एक-दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन का आरोप लगा रहे हैं जिससे इसके विस्तार की संभावनाएं बेहद कम नजर आ रही हैं। यदि बिना किसी समझौते के बुधवार को युद्धविराम समाप्त हो जाता है तो दोनों देशों के बीच फिर से सैन्य टकराव शुरू होने का खतरा काफी बढ़ जाएगा। ट्रंप का मानना है कि कूटनीतिक समाधान अभी भी संभव है लेकिन यदि ईरान शर्तों को नहीं मानता है तो अमेरिका सैन्य विकल्प चुनने में संकोच नहीं करेगा। पूरी दुनिया की नजरें अब बुधवार की समय सीमा पर टिकी हैं, जो यह तय करेगी कि क्षेत्र शांति की ओर बढ़ेगा या एक विनाशकारी युद्ध की ओर। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत में प्रगति के संकेत मिलते हैं, तो वह खुद वरिष्ठ ईरानी नेताओं से मिलने और सीधे बातचीत लिए तैयार हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब इस्लामाबाद में प्रस्तावित अगले दौर की वार्ता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। न्यूयॉर्क पोस्ट से बातचीत में ट्रंप ने ईरान की हिचकिचाहट को ज्यादा महत्व नहीं दिया।

चीन ने ईरान भेजे मिसाइल वाले रसायन: भारतीय मूल की पूर्व अमेरिकी राजदूत का दावा- कार्गो जहाज पर लदा है केमिकल

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच खाड़ी क्षेत्र में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक ईरानी कंटेनर जहाज को कब्जे में ले लिया है। दावा किया जा रहा है कि यह जहाज चीन से ईरान की ओर जा रहा था और उस पर मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े रसायन या दोहरे उपयोग वाले सामान (डुअल-यूज मटेरियल) लदे हो सकते थे। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी राजनीतिज्ञ और पूर्व गवर्नर निक्की हेली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि अमेरिकी नौसेना द्वारा जब्त किया गया पहला ईरानी जहाज चीन से ईरान जा रहा था। उन्होंने कहा कि जहाज पर मिसाइल निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक सामान थे और उसे कई बार रुकने के आदेश दिए गए, लेकिन उसने आदेश नहीं माना। हेली ने आगे कहा कि यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि चीन ईरान की सरकार को सहयोग दे रहा है। उनके मुताबिक, ईरान को बाहरी समर्थन मिलने की आशंका अब नजरअंदाज नहीं की जा सकती। जब्त किए गए जहाज की पहचान टोस्का के रूप में हुई है। यह ईरानी झंडे वाला छोटा कंटेनर पोत इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइन्स समूह का हिस्सा बताया गया है। यह वही शिपिंग कंपनी है, जिस पर पहले से अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं। जहाज को रविवार को चाबहार पोर्ट के तट के पास ओमान की खाड़ी में रोका गया। जहाज की गतिविधियों की जानकारी समुद्री ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म समुद्री यातायात के आंकड़ों से सामने आई।

दिल्ली में महंगी हो सकती है बिजली

30,000 करोड़ रुपये के बकाया बिलों पर याचिका खारिज हुए....

नईदिल्ली। एजेंसी

दिल्ली में सस्ती बिजली का लाभ उठा रहे लोगों को बड़ा झटका लगने वाला है। बिजली अपील न्यायाधिकरण ने 30,000 करोड़ रुपये के बकाया बिल भुगतान की समय-सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया है। समय-सीमा बढ़ाने का अनुरोध दिल्ली विद्युत नियामक आयोग ने किया था। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत यह आया है। फैसले के बाद राजधानीवासियों के बिजली बिल बढ़ने की आशंका काफी हद तक बढ़ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2025 में निर्देश जारी कर सभी राज्य नियामकों को अप्रैल 2024 से

लंबित बकाया चुकाने को कहा था, जिसे अप्रैल 2028 तक पूरा करना है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि नियामक बकाया राशि को निपटाने के लिए सभी उपलब्ध उपायों का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें जरूरत पड़ने पर बिजली शुल्क में संशोधन भी शामिल है। बकाया 30,000 करोड़ रुपये दिल्ली के पावर सेक्टर की पुरानी देनदारियां हैं। सुनवाई के दौरान डीईआरसी ने एपीटीईएल से बकाया चुकाने के लि अधिक समय की मांग की थी। उसने तर्क दिया था कि लंबी पुनर्भुगतान अवधि उपभोक्ताओं पर बोझ को कम कर सकती है और अचानक बिजली बिल में होने वाले बदलाव से बचा सकती है। हालांकि, न्यायाधिकरण ने डीईआरसी के तर्कों पर ध्यान नहीं दिया है, जिससे आयोग को अब मौजूदा समयसीमा के अंदर ही पूरा बकाया चुकाना होगा। इसके लिए उसे बिजली बिल में बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है। दिल्ली की अधिकतर बिजली कंपनियां निजी कंपनी के हाथ में हैं।

चोरी करने के बाद एसी चलाकर 6 घंटे तक सोता रहा चोर

नवसारी। गुजरात में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी ने आम इंसान ही नहीं, बल्कि चोरों का भी हाल बेहाल कर दिया है। नवसारी से एक बेहद ही चौंकाने वाला और अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक चोर ने न सिर्फ एक ऑफिस में हाथ साफ किया, बल्कि तसल्ली से एसी चालू करके करीब छह घंटे तक चैन की नींद ली। सुबह होने से ठीक पहले वह वहां से रफूचक्कर हो गया। यह पूरी हैरान करने वाली वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसे देखकर हर कोई दंग है। चोरी की यह अजीबोगरीब घटना नवसारी के जुनाथाना इलाके में हुई है।

पेड़ से टकराई बारात जा रही पिकअप

एक की मौत,दो लोगों की हालत गंभीर है.....

बलरामपुर। वाड्फनगर के अजगरा नाले के पास पिकअप पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, मालवाहक पिकअप से छत्तीसगढ़ के इंजानी गांव से उत्तरप्रदेश के म्योरपुर बारात जा रहे थे। पिकअप में कुल 7 लोग सवार थे। इस दौरान गाड़ी पेड़ से टकरा गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल

पहुंचाया गया। घटना के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। बता दें कि हर साल शादी के सीजन में मालवाहक गाड़ियों का उपयोग किया जाता है। लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाने से आए दिन हादसे हो रहे और लोगों की जानें जा रही है। बड़ी सवाल यह है कि आखिर कब मालवाहक वाहनों में बारात ले जाने का सिलसिला रुकेगा।

निगरानी में उनका इलाज जारी

मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती एनसीपी प्रमुख शरद

नई दिल्ली/ एजेंसी

मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख और अनुभवी नेता शरद पवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा सांसद शरद पवार को दो दिन पहले नियमित स्वास्थ्य जांच तथा फॉलो-अप के लिए अस्पताल में एडमिट किया गया था। डॉक्टरों की सतर्क निगरानी में उनका इलाज जारी है और राहत की बात यह है कि फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बनी

हुई है। अस्पताल सूत्रों ने स्पष्ट रूप से बताया है कि यह कोई आपातकालीन स्थिति नहीं है, बल्कि उनकी उम्र और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए की जाने वाली रूटीन चेकअप का ही हिस्सा है। चिकित्सकों का कहना है कि चिंता की कोई बड़ी बात नहीं है और वे जल्द ही सामान्य दिनचर्या में लौट सकते हैं। इससे पहले भी शरद पवार 28 फरवरी को इसी ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हो चुके थे। हाल के महीनों में उनकी सेहत को लेकर कुछ चिंताएं रही हैं। उन्होंने सीने में जकड़न और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के चलते पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भी इलाज कराया था। वहां उन्हें हल्के निर्जलीकरण (माइल्ड डिहाइड्रेशन) और खांसी-गले की संक्रमण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा था।

अस्पताल में पोस्टमार्टम के नाम पर हुई 5000 रूपए की वसूली

चतरा। झारखंड के चतरा जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है, जो सरकारी सिस्टम और उसमें बैठे लोगों की संवेदनहीनता की पोल खोलती है। एक तरफ पूरा परिवार तीन मौतों के गहरे सदमे में डूब कर चीख-पुकार कर रहा था, वहीं दूसरी तरफ अस्पताल के कर्मचारी लाशों पर भी अपनी जेबें भरने में लगे हुए थे। इस अमानवीय कृत्य की भनक लगते ही जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। यह पूरा मामला सदर थाना क्षेत्र के भोन्या गांव का है। यहां एक तालाब में डूबने से एक मां और उसकी दो छोटी बच्चियों की जान चली गई। इस हादसे के बाद जब शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

मल्लिकार्जुन खरगे के इस बयान से मचा भारी बवाल

मोदी आतंकवादी हैं,बाद में सफाई देकर पलटे खरगे....

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रहे है। इस दौरान खरगे ने एक ऐसा बयान दे दिया है, जिसके बाद उन्हें सफाई देनी पड़ रही है। दरअसल, चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'आतंकवादी' करार दिया। चेन्नई में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, वे मोदी के साथ कैसे मिल सकते हैं? वह एक आतंकवादी हैं। और वह समानता में विश्वास नहीं

रखते। उनकी पार्टी भी समानता और न्याय में विश्वास नहीं रखती। और ये लोग उनके साथ मिल रहे हैं, इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। जैसे ही मल्लिकार्जुन खरगे को इस बात का एहसास हुआ कि उन्होंने कुछ गलत कह दिया है। उन्होंने तुरंत अपने बयान पर सफाई देना शुरू कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने इससे पहले भी जनता द्वारा चुनी गई सरकार को गिराने की कोशिश की है। सभी जानते है पिछले 11 सालों में उन्होंने कई सरकारें गिराईं, विधायकों को खरीदा, राज्यसभा सांसदों को खरीदा है। उन्होंने अपने धन और ताकत का पूरा इस्तेमाल किया है। उनके हाथों की संस्थाएं जैसे सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स विभाग जैसी संस्थाओं का वह उपयोग कर रहे है राजनीतिक दलों के नेताओं के घर में छापेमारी करवा रहे है।

दीदी को हटाने का समय आ गया है

शाह का ऐलान-सरकार बनी तो चार शादियों पर लगेगा बैन

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान ने सियासी माहौल गर्मा दिया है। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो 'चार शादियों' की प्रथा पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून लाया जाएगा। इस बयान के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई है और विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है। अमित शाह ने विपक्षी दलों, विशेषकर टीएमसी और कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने भीड़ से सवाल पूछते हुए कहा, मालूम है ना कौन चार-चार शादियां कर रहा है उनका इशारा मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत मिलने वाली छूट की ओर था। शाह ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में दो कानून नहीं हो सकते। उन्होंने तर्क दिया कि यूसीसी के आने से बहुविवाह जैसी प्रथाएं खत्म होंगी और हर धर्म की महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त होंगे। गृह मंत्री ने बंगाल में हो रही कथित घुसपैठ का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की सरकार घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मानती है, जिससे बंगाल की डेमोग्राफी बदल रही है। शाह ने कहा कि यूसीसी और सीएए के जरिए घुसपैठ पर लगाम लगाई जाएगी और सुनिश्चित किया जाएगा कि संसाधनों पर पहला हक भारत के नागरिकों का हो। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वे तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म करने के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान करें। अमित शाह ने अपने भाषण में बार-बार इस बात पर जोर दिया कि ममता बनर्जी

के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार को हटाने का सही समय आ गया है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन चुनावों से दार्जिलिंग के लोग लगातार भाजपा के पक्ष में मतदान कर रहे हैं, लेकिन इस बार पूरे राज्य का मिजाज बदला हुआ नजर आ रहा है। यह चुनाव केवल सत्ता बदलने का नहीं बल्कि बंगाल की अस्मिता और सुरक्षा को बहाल करने का जरिया बनने वाला है। गृह मंत्री ने ममता सरकार पर संसाधनों के आवंटन में भारी भेदभाव करने का एक बहुत ही गंभीर और तथ्यात्मक आरोप लगाया। उन्होंने जनता के सामने बजट के आंकड़े पेश करते हुए कहा कि तृणमूल सरकार ने उत्तर बंगाल, गोरखा समुदाय और आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए केवल 2000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके उलट, मदरसों और अल्पसंख्यक क्षेत्रों के लिए इस बजट में 5800 करोड़ रुपये रखे गए। शाह ने इसे उत्तर बंगाल के साथ किया गया सरासर अन्याय करार दिया। उन्होंने वादा किया कि भाजपा की सरकार आते ही इस भेदभाव को खत्म किया जाएगा और हर समुदाय के साथ समान न्याय सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू होगी। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर अमित शाह का रुख बेहद कड़ा और आक्रामक दिखा। उन्होंने संदेशखाली की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन शर्मनाक वारदातों ने पूरे बंगाल का सिर दुनिया के सामने झुका दिया है।

तमिलनाडु और बंगाल में चुनावी शोर थमा: 23 अप्रैल को महामतदान

विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण के लिए चुनाव प्रचार आज शाम पूरी तरह थम जाएगा। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों और पश्चिम बंगाल की पहले चरण की 152 सीटों पर आज अंतिम दौर की रैलियां और रोड शो देखने को मिल रहे हैं। शाम 5 बजे के बाद किसी भी प्रकार के लाउडस्पीकर, सार्वजनिक सभा या चुनावी जुलूस पर पूरी तरह रोक लग जाएगी। चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए इन क्षेत्रों में धारा 144 लागू करने और बाहरी लोगों को क्षेत्र छोड़ने के निर्देश दिए हैं। प्रचार थमने के बाद अब उम्मीदवारों का पूरा जोर 'डोर-टू-डोर' संपर्क पर रहेगा। आगामी 23 अप्रैल को तमिलनाडु की सभी सीटों और बंगाल के पहले चरण की सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होगा।

बिना लाइसेंस, ओवरस्पीड और यातायात नियम उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

जशपुरनगर। जिले में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस, परिवहन, स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर व्यास ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए सभी स्तरों पर कड़ाई से नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। यह पहल जिले में दुर्घटनाओं को कम करने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। बैठक में कलेक्टर व्यास ने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में त्वरित चिकित्सा सहायता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देशित किया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग को तत्काल सूचित किया जाए, ताकि एम्बुलेंस समय पर पहुंचकर घायलों को शीघ्र उपचार मिल सके। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह, सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक फड़तरे, अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू, सभी एसडीएम, एसडीओपी सहित स्वास्थ्य, आबकारी, पुलिस, यातायात एवं परिवहन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

यातायात नियम उल्लंघन पर कड़ी निगरानी – कलेक्टर ने ओवरस्पीड, बिना हेलमेट वाहन चलाने, नशे की हालत में वाहन चलाने एवं अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बार-बार नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई भी की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि कोई भी व्यक्ति बिना लाइसेंस वाहन न चलाए। साथ ही परिवहन विभाग को निर्देश दिए गए कि स्कूल एवं कॉलेजों में लर्निंग लाइसेंस बनाने हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि छात्र-छात्राएं विधिवत लाइसेंस प्राप्त कर सकें। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि उनके कार्यालयों में आने वाले कर्मचारी हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी।

ब्लैक स्पॉट सुधार पर विशेष जोर – बैठक में जिले के विभिन्न ब्लैक स्पॉट जैसे लोरो बगीचा, बधिमा, केसरा, भीम सीला, हर्राडीपा एवं चराईडांड की समीक्षा करते हुए वहां सुधारात्मक कार्यों को प्राथमिकता से लागू करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से नदी पर स्थित संकरे पुल के दोनों ओर रंबल स्ट्रिप लगाने, स्पीड नियंत्रण उपाय लागू करने एवं सोलर लाइट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। कलेक्टर ने सड़कों पर मार्किंग, साइन बोर्ड, स्पीड लिमिट बोर्ड, जेब्रा क्रॉसिंग, रंबल स्ट्रिप आदि आवश्यक यातायात संकेतकों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन व्यवस्थाओं से दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

महिला आरक्षण बिल पर सियासी संग्राम तेज

भाजपा के विरोध प्रदर्शन के खिलाफ कांग्रेस का काउंटर अटैक शुरू

बलरामपुर। राजीव भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में महिला आरक्षण बिल को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस आमने-सामने हैं। बीजेपी के विरोध प्रदर्शन के खिलाफकांग्रेस का काउंटर अटैक शुरू हो गया है। महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। लोकसभा में 'संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026' के गिरने के बाद भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस आमने-सामने आ गई हैं और दोनों दल देशभर में आक्रामक अभियान चला रहे हैं। बीजेपी के हल्ला बोल अभियान के जवाब में कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है। पार्टी अब इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा जनआंदोलन बनाने की तैयारी में है।कांग्रेस ने रणनीति के तहत देश के अलग-अलग राज्यों और जिलों में बड़े पैमाने पर प्रेस वार्ताएं शुरू कर दी हैं। पार्टी नेताओं का आरोप है कि बीजेपी महिला आरक्षण के मुद्दे पर झूठा नैरेटिव गढ़कर जनता को गुमराह कर रही है। पार्टी इस मुद्दे को जमीनी स्तर तक ले जाने की कोशिश में है। वही विधेयक के गिरने को लोकतंत्र की जीत करार दिया है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण को जानबूझकर परिसीमन और जनगणना से जोड़कर लागू करने में देरी कर रही है। कांग्रेस की साफ मांग है कि महिलाओं को 33ब आरक्षण बिना किसी शर्त के तुरंत लागू किया जाए। पार्टी का कहना है कि यह आरक्षण मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर ही लागू होना चाहिए,न कि इसे भविष्य की प्रक्रियाओं से जोड़ा जाए। आयोजित प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष समीर सिंहदेव, रिपुजीत सिंहदेव, प्रशांत विश्वास छोटू बंगाली, संजीत राजा चौबे, संजीत गुप्ता, डोमनिक एक्का, प्रेमसागर सिंह, कृपाशंकर, विवेक सिंह, रुस्तम अंसारी, सूरजदेव वर्मा, दधीचि यादव, शिवा एक्का, हैदर अली, मुमताज़ खान, वासिम खान सहित कई कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

कलेक्टोरेट में सड़क सुरक्षा पर सख्तीः बिना हेलमेट-सीट बेल्ट पर 14 हजार रुपए की हुई चालानी कार्रवाई

जशपुरनगर। जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए आज से कलेक्टोरेट परिसर में हेलमेट और सीट बेल्ट को अनिवार्य कर दिया है। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार अब दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाए बिना कलेक्टोरेट परिसर में प्रवेश नहीं देने के निर्देश दिए है। उक्त निर्देश के अनुपालन में एसएसपी लाल उमेद सिंह के मार्गदर्शन में आज कलेक्टोरेट परिसर में विशेष जांच अभियान चलाया गया। जिसमें कुल 28 प्रकरण दर्ज किए गए। 24 प्रकरण बिना हेलमेट और 04 बिना सीट बेल्ट के मामलों में कुल 14,000 रुपये का समन शुल्क वसूला गया। यह कार्रवाई कलेक्टोरेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर ही की गई, जिससे यह संदेश स्पष्ट हुआ कि नियम सभी के लिए समान हैं। कलेक्टर व्यास ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था सभी शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर समान रूप से लागू होगी। उन्होंने कहा कि शासकीय अमला स्वयं यातायात नियमों का पालन कर समाज के सामने सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करे। यह निर्णय कर्मचारियों की व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करने और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले जोखिम को कम करने के उद्देश्य से लिया गया है।

कलेक्टर एसएसपी के मार्गदर्शन में अभियान –कलेक्टर रोहित व्यास ने कहा कि यह अभियान केवल एक दिन की कार्रवाई नहीं है, बल्कि इसे लगातार जारी रखा जाएगा।

भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इसी प्रकार सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी लाल उमेद सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल जागरूकता से नहीं, बल्कि सख्ती से भी सुनिश्चित होती है, इसलिए नियमों का पालन हर स्थिति में जरूरी है।

निःशुल्क प्रशिक्षण से ग्रामीण महिलाओं में बढ़ा उत्साह, स्वरोजगार की दिशा में कदम

मशरूम खेती के प्रशिक्षण से बढ़ेगा स्वरोजगार

गरियाबंद। ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने एवं स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बलौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) गरियाबंद द्वारा देवभोग विकासखण्ड के ग्राम कदलीमुड़ा स्थित रीपा परिसर में आसपास के महिलाओं के लिए मशरूम खेती पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इससे ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर बनाना है। यह प्रशिक्षण पूरी तरह से निःशुल्क आयोजित किया गया, जिसमें सभी हितग्राहियों को निःशुल्क टी-शर्ट, कैप, फाउन सामग्री एवं भोजन की सुविधा भी प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षक द्वारा महिलाओं को मशरूम की खेती की सम्पूर्ण प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसमें मशरूम उत्पादन के लिए उपयुक्त वातावरण, बीज (स्पॉन) की तैयारी, खाद एवं कच्चे माल का चयन, उत्पादन तकनीक, देखभाल, रोग एवं कीट नियंत्रण, तथा तैयार मशरूम के भंडारण एवं विपणन को जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि कम लागत और कम जगह में भी मशरूम की खेती करके अच्छा लाभ अर्जित किया जा सकता है। महिलाओं ने कहा कि यह प्रशिक्षण उनके लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला है और वे जल्द ही मशरूम उत्पादन शुरू करने की योजना बना रही हैं। कार्यक्रम में महिलाओं को यह भी बताया गया कि किस प्रकार वे इस प्रशिक्षण का उपयोग कर स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकती हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकती हैं। साथ ही उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर आर्थिक सहायता एवं ऋण सुविधाओं से जोड़ने का मार्ग भी बताया गया।

इस प्रकार का प्रशिक्षण ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भगवान परशुराम की जयंती पर गौण ब्राह्मण नवयुवक संघ द्वारा शरबत का किया वितरण

सरायपाली। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती के अवसर पर नगर में धार्मिक आस्था और सेवा भावना का विशेष माहौल देखने को मिला। विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ गौण ब्राह्मण नवयुवक संघ द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ जयंती मनाई गई। इस दौरान लोगों को शरबत एवं मीठा प्रसाद वितरित कर सेवा कार्य भी किया गया। जानकारी के अनुसार 19 अप्रैल को हनुमान राम-जानकी मंदिर परिसर के सामने गौण ब्राह्मण नवयुवक संघ द्वारा एक स्टाल लगाया गया। यहां से राहगीरों और श्रद्धालुओं को भीषण गर्मी को देखते हुए ठंडा शरबत और बूंदी का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया और आयोजन की सराहना की। आयोजन के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति और सामाजिक एकता का वातावरण बना रहा। इसके अलावा शाम के समय गौता भवन में भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। पूजन कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान परशुराम के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संजय शर्मा, उमेश शर्मा, बजरंग शर्मा, दिलीप शर्मा, दीपक शर्मा, मोहन शर्मा, कुशांक शर्मा, सुनील शर्मा, तरुण शर्मा।

भिलाई-चरौदा में साकार हुआ 'मोर मकान' का सपना, महापौर निर्मल कोसरे की मौजूदगी में लॉटरी से 23 परिवारों को मिला घर

भिलाई-चरौदा। किराये के मकानों में जीवन यापन कर रहे परिवारों के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक बन गया, जब भिलाई-3 चरौदा नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एएचपी आवासों का पारदर्शी लॉटरी पद्धति से आबंटन किया गया। इस प्रक्रिया में महापौर निर्मल कोसरे की उपस्थिति में 23 हितग्राहियों को उनके सपनों का घर मिला। नगर निगम सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 06 उमदा स्थित लक्ष्मी मैरिज पैलेस मार्ग के पास निर्मित 87 एएचपी आवासों में से 23 आवासों का चयन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया गया। इस प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी रखा गया, जिससे सभी हितग्राहियों में संतोष का माहौल देखा गया। आवंटित किए गए प्रत्येक आवास की कुल कीमत 3,24,600 निर्धारित की गई है, जिसमें से हितग्राहियों द्वारा पहले ही 10 प्रतिशत राशि जमा कराई जा चुकी थी। लॉटरी के माध्यम से मकान तय होने के बाद अब प्रत्येक लाभार्थी को एक माह के भीतर शेष 2,92,140 की राशि निगम कोष में जमा करनी होगी। इसके पश्चात उन्हें विधिवत आवास का अधिकार सौंप दिया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर निर्मल कोसरे ने कहा कि, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी परिवार बेघर न रहे और हर जरूरतमंद को उसका खुद का आशियाना मिले। जिन परिवारों को घर मिला है, यह केवल मकान नहीं बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर नेता प्रतिपक्ष राम खिलावन वर्मा, एमआईसी सदस्य ईश्वर साहू, पार्षद मती प्रेमलता चंद्राकर सहित नगर निगम के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने हितग्राहियों को शुभकामनाएं देते हुए इस पहल को जनकल्याणकारी बताया।

तीन में से एक शहरी भारतीय को हो सकता है फैटी लिवर : 30 की उम्र से ही चेतावनी संकेत, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल की चेतावनी

रायपुर। शहरी भारत में एक गंभीर लेकिन साइलेंट स्वास्थ्य समस्या तेजी से बढ़ रही है। अनुमान के अनुसार, लगभग हर तीन में से एक शहरी भारतीय फैटी लिवर बीमारी से प्रभावित हो सकता है, वह भी बिना किसी स्पष्ट लक्षण के। विश्व लिवर दिवस के अवसर पर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि जो बीमारी पहले अधिकतर बुजुर्गों में देखी जाती थी, अब वह 30-50 वर्ष आयु वर्ग में तेजी से सामने आ रही है। यह केवल एक मेडिकल समस्या नहीं है, बल्कि बदलती जीवनशैली का परिणाम है। लंबे समय तक बैठकर काम करना, अनियमित खानपान, फास्ट फूड का सेवन, बढ़ता तनाव और शारीरिक गतिविधि की कमी–ये सभी लिवर स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। खासतौर पर आईटी और कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स में इसके मामले ज्यादा देखे जा रहे हैं, और डायबिटीज, मोटापा व हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों में जोखिम अधिक है, -डॉ. संदीप पांडे, सीनियर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल। लिवर बीमारी की सबसे बड़ी चिंता इसकी साइलेंट प्रकृति है। शुरुआती चरण में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते और अक्सर यह बीमारी रूटीन जांच के दौरान ही सामने आती है। कई मरीज मामूली शिकायत लेकर आते है और जांच में गंभीर लिवर समस्या सामने आती है। वहीं कुछ लोग तब इलाज के लिए आते हैं जब बीमारी सिरोसिस या लिवर फेलियर तक पहुंच चुकी होती है, जिससे इलाज जटिल और महंगा हो जाता है, -डॉ. ललित निहाल, सीनियर कंसल्टेंट हेपेटोलॉजिस्ट। लिवर को बीमारियां अक्सर बिना लक्षण के बढ़ती है और एडवांस स्टेज में ही सामने आती है। इसलिए समय रहते जांच कराना बेहद जरूरी है। केवल लिवर फंक्शन टेस्ट पर्याप्त नहीं है। लोगों को व्यापक जांच करवानी चाहिए, जिसमें ब्लड टेस्ट, अल्ट्रासाउंड और जरूरत पड़ने पर फाइब्रोस्कैन शामिल है, जो लिवर में फैट और कठोरता का आकलन करता है। समय पर पहचान और उपचार से बेहतर परिणाम मिल सकते है, जबकि देरी गंभीर जटिलताओं और यहां तक कि लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत तक ले जा सकती है।-डॉ. हितेश दुबे, कंसल्टेंट हेपेटोबिलियरी एवं लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन। इस चुनौती से निपटने के लिए रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स ने गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, हेपेटोलॉजी, क्रिटिकल केयर और ट्रांसप्लांट सेवाओं को जोड़ते हुए मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच अपनाई है, जिससे समय रहते पहचान और उपचार संभव हो सके। डॉक्टरों का सुझाव है कि 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को, विशेष रूप से जिनकी जीवनशैली बैठकर काम करने वाली है या जिन्हें डायबिटीज है, उन्हें हर साल लिवर की जांच करवानी चाहिए। थकान, भूख कम लगना, वजन बढ़ना और पेट के आसपास चर्बी बढ़ना जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। साथ ही, बिना डॉक्टर की सलाह के दवाइयों और सप्लीमेंट्स के सेवन से बचने की भी सलाह दी गई है।विश्व लिवर दिवस पर रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स का स्पष्ट संदेश है– लिवर की बीमारी भले ही साइलेंट हो, लेकिन इसे नजरअंदाज करना जानलेवा साबित हो सकता है।

भाटापारा नगर के विकास और स्वच्छता को मिलेगी नई रफ्तारः 2.50 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

भाटापारा। नगर पालिका परिषद भाटापारा द्वारा शहर के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में नगर के अवरेठी तालाब परिसर में विभिन्न विकास कार्यों का गरिमामय समारोह के बीच भूमि पूजन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद यादव, प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश तिवारी,विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने मंत्रोच्चार के बीच फावड़ा चलाकर और शिलापट्ट का अनावरण कर निर्माण कार्यों की विधिवत शुरुआत की।

विकास कार्यों का विवरण– नगर पालिका प्रशासन द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए दो बड़े प्रोजेक्ट्स पर कार्य शुरू किया गया है। अवरेठी तालाब के सौंदर्यीकरण हेतु 100 लाख (1 करोड़) रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे तालाब का कायाकल्प किया जाएगा। शहर के कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए 4 एसएलआरएम सेंटरों के जीर्णोद्धार हेतु 150.64 लाख रुपये की लागत से कार्य किया जाएगा। इन कार्यों के पूर्ण होने से न केवल शहर की स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि नागरिकों को मनोरंजन और भ्रमण के लिए एक सुंदर स्थल भी उपलब्ध होगा।

कार्यक्रम में सम्मिलित जनप्रतिनिधि– कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया, सभापति बाल गोविंद पटेल, वार्ड पार्षद उमाशंकर वर्मा, चंद्रप्रकाश ध्रुव, एवं रोहिणी जायसवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा- भाटापारा का सर्वांगीण विकास ही हमारा संकल्प और प्राथमिकता है। जिन कार्यों का भूमिपूजन हुआ है, वे केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि शहर के भविष्य को संवारने की मजबूत नींव हैं। अवरेठी तालाब का सौंदर्यीकरण न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाएगा, बल्कि यह नागरिकों के लिए एक प्रेरणादायक सार्वजनिक स्थल बनेगा। वहीं, एसएलआरएम सेंटरों का उन्नयन भाटापारा को स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगा। हमारा लक्ष्य है–स्वच्छ, सुंदर और विकसित भाटापारा। इसके लिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जनता का विश्वास और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, और इसी के बल पर हम भाटापारा को प्रदेश के अग्रणी नगरों में स्थापित करेंगे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद यादव, प्रदेश स्थायी सदस्य राकेश तिवारी, आरएसएस सदस्य टिक्कू नायडू, नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया, सभापति गोविंद पटेल, संतोश तलरेजा, मनीष मिश्रा, पार्षदगण मोंटू ध्रुव, उमाशंकर वर्मा, नंदू वैष्णव भुवन सिंह ठाकुर चंद्रकांत खूंटे, संतोश साहू कीर्तन जायसवाल पिछड़ा वार्ड जिलाध्यक्ष महाबल बघेल किसान मोर्चा महामंत्री आशीष टोडर लिकेश साहू संजय बंजारे लोकेश भाऊ मालिक राम बांधे संजय चतुर्वेदानी, विक्की ठाकुर चरण ढीमर यशपाल सिंह महेश शर्मा चक्रधारी राजू रात्रि मंगल ध्रुव विजय यादव मनोज वर्मा गोस्वामी कुशल गोस्वामी रोहित रजक गोलू रात्रि दुबे भैया विनोद सेन ह्यूमन साहू दिनेश तिवारी विजय यादव मालिक राम जांगड़े मनोज वर्मा, सतीश साहू राजू यादव अश्वनी ध्रुव प्रमोद यादव रोशन रजक, गोलू बंजारे दहन सिंह हृदय नारायण ध्रुव कुशल गोस्वामी, अरुण साहू, प्रभा वर्मा, प्रशांत रावत, नारायण, शिव गोस्वामी, हेमंत ध्रुव, लखन ध्रुव संतोष ध्रुव, वरुण सिंह, संतोष यादव, हुलास साहू, लोकेश जायसवाल एवं समस्त वार्डवासी मौजूद रहे।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन की टीम मुस्तैद, 5 प्रकरणों में 8 नाबालिगों का रुकवाया गया

बलौदाबाजार। अक्षय तृतीया पर विवाह हेतु शुभ मुर्हत होने तथा बहुतायत में विवाह होने पर बाल विवाह की बलवती संभावना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने जिले में विवाहों का सतत् परीक्षण करने का निर्देश पर जिला बाल संरक्षण इकाई,चाईल्ड हेल्पलाईन एवं पुलिस थानों की 3 टीम अक्षय तृतीया के दिन एवं उसके दूसरे दिन के गठित की गई है। उक्त टीम द्वारा बलौदाबाजार जिले के सभी विकासखण्डों में जाकर हो रहे विवाहों के वर-वधु की आयु का परीक्षण किया जा रहा है। कुल 5 प्रकरणों में 8 लोगों के हो रहे बाल विवाह को रोका गया है एवं एक मामलें में भारतीय न्याय संहिता, लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम एवं दूसरे मामलें में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों में प्रकरण भी संबंधित थानों में दर्ज कराकर वैधानिक कार्यवाही भी की गई है। प्रथम दिवस पलारी, कसडोल एवं सिमगा विकासखण्ड के ग्रामों में हो रहे विवाह का निरीक्षण टीम के द्वारा किया गया। जिसमें सिमगा विकासखण्ड के ग्राम चैरेंगा एवं बछेरा में नाबालिग बालकों का विवाह करने का प्रकरण सामने आया जिस पर दोना पक्षो को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी प्रदान कर परिजनों को बाल विवाह नही करने के लिए तैयार किया गया एवं घोषणा पत्र में हस्ताक्षर कराए गए। इस प्रकार अक्षय तृतीया के दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा चार विवाह की आयु पूर्ण नही किए लोगों के बाल विवाह रोकथाम की कार्यवाही की गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ राज्य 31 मार्च 2029 तक बनाए जाने के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रशासन द्वारा अब समझाईश देने के साथ दाँडिक प्रकरण भी दर्ज किए जा रहे है। बाल विवाह के बालिकाओं पर पड़ने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक दुष्प्रभावों से बचाने एवं उन्हे सुरक्षित एवं उज्जवल भविष्य प्रदान करने के लिए प्रशासन के द्वारा अब सख्ती से कदम उठाने का निर्णय लिया गया है। जिला बाल संरक्षण इकाई की पूरी टीम के द्वारा उक्त आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई गई।

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्ग महिला हत्याकांड की गुत्थी सुलझी, रिश्तेदार निकले कातिल

रायपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम सिधमा में जमीन विवाद को लेकर रिश्तेदारों ने वृद्धा पर जानलेवा हमला किया. इलाज के दौरान वृद्धा की मौत हो गई. पुलिस ने वारदात में शामिल आधा दर्जन रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया है. सभी जेल दाखिल कर दिए गए हैं. पूरा मामला बरियो पुलिस चौकी का है. जानकारी के अनुसार, बरियो पुलिस चौकी में प्रार्थी कुलन रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि 15 अप्रैल को बेटा और बहू के साथ घर के समीप बाड़ी में लगाए मूंगफली फसल से घास निकालने गए थे जबकि पत्नी राजी बाई और नतनी पायल घर में थी. शाम 5 बजे नतनी पायल दौड़कर आई और बताई की दादी के साथ मारपीट कर रहे है, जिस पर कुलन तत्काल बेटा और बहू के साथ घर पहुंचे तो देखा संजय, उसकी पत्नी परमेश्वरी उर्फ पनेसरी, सरस्वती उर्फ बुधो, राजकुमारी उर्फ जुईया, उसका पति चैतू और फुलकुंवर सभी लोग जमीन हिस्सा बंटवारा को लेकर मारपीट कर रहे थे. परिजन ने बीच बचाव किया तो सभी मौके से फरार हो गए, 16 अप्रैल को जब परिजन भतीजा के फलदान कार्यक्रम में गए थे. तभी बेटा अमृत ने बताया कि मां की तबीयत ज्यादा खराब हो गई. जब तक परिजन घर पहुंचे तब तक वृद्धा की मौत हो चुकी थी. पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात जांच शुरू की. मर्ग जांच उपरांत पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज किया. पुलिस ने घटना में शामिल ग्राम सिधमा निवासी संजय मानिकपुरी आ. रामभरोस मानिकपुरी (31 वर्ष), परमेश्वरी उर्फपनेसरी पति संजय मानिकपुरी (28 वर्ष), भेलवाडीह निवासी सरस्वती उर्फबुधो पति सियाराम उम्र (40 वर्ष), रजपुरी निवासी राजकुमारी उर्फ जुईया पति चैतू मानिकपुरी (45 वर्ष), चैतू मानिकपुरी आ.स्व. सुधीर मानिकपुरी (45 वर्ष) और ग्राम कोट गहना निवासी फुलकुंवर पति मोहन मानिकपुरी (50 वर्ष) को गिरफ्तार किया. पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय पेश किया जहां से सभी को जेल भेज दिया गया है.

खारून नदी ब्रीज में हाइवा की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर। खारुन नदी बिज पर मेंटेनेंस के काम के बाद इसे गुरुवार की रात को खोला गया था, लेकिन दो दिन बाद ही शनिवार दोपहर में खारुन नदी ब्रिज पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। खारुन नदी ब्रिज के ऊपर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि बाइक सवार ट्रक के पहिए के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा दोपहर करीब 1 बजे खारुन नदी ब्रिज पर दुर्ग से रायपुर जाने वाले मार्ग पर हुआ है। एक काले रंग की पल्सर बाइक ब्रिज पर जा रही थी। तभी पीछे से आ रहे एक हाईवा ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक ड्राइवर तेज रफ्तार में था और लापरवाही से चला रहा था। टक्कर लगते ही बाइक सवार सड़क पर गिर गया और ट्रक के पहिये के नीचे आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मार्ग को खाली करवाया। पुलिस ने मृतक की जेब की तलाशी ली, जिसमें मिले पहचान पत्र से उसका नाम आरिफरजा मंसूरी पता चला। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शासकीय वाहन से सुपेला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मॉर्च्युरी में रखवाया गया।

आरटीई को लेकर आर-पार, छत्तीसगढ़ में 5000 निजी स्कूल बंद, संकट में 15000 बच्चों का भविष्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आरटीई की प्रतिपूर्ति की राशि सरकारी स्कूलों पर आने वाले खर्च के बराबर करने की मांग को लेकर प्रदेश के निजी स्कूलों पर ताला लटका मिला है। वहीं प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन का कहना है कि प्रदेश में आज करीब 5000 स्कूल बंद रहे। आरटीई पर सरकार की सख्ती के बाद से प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट आंदोलनरत है। आंदोलन की अगली कड़ी में प्रदेश के करीब 8000 प्राइवेट स्कूल शिक्षा मंत्री को चिट्ठी लिखकर प्रतिपूर्ति की राशि बढ़ाने की मांग करेंगे। प्रदेश में आरटीई को लेकर सरकार ने पहली लिस्ट जारी कर दी है। करीब 14,000 बच्चों को इसके तहत प्राइवेट स्कूलों में दाखिला दिया जाएगा। लिस्ट में शामिल बच्चों के अभिभावक सरकार और निजी स्कूलों की लड़ाई में परेशान हैं। उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि लिस्ट जारी होने के बाद उनके बच्चों का दाखिला स्कूलों में होगा या नहीं। प्रदेश की साय सरकार आरटीई के तहत दाखिला लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी के बदले में 7000 रुपए फीस देती है, जबकि स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन का कहना है कि आरटीई के प्रावधानों के तहत यह राशि 22,000 होनी चाहिए। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता का कहना है कि आरटीई में सरकारी स्कूलों में प्रति छात्र आने वाले खर्च के बराबर प्राइवेट स्कूलों को प्रतिपूर्ति देने का नियम है। उनका कहना है कि यह राशि मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं दूसरी तरफसरकार ने आदेश जारी कर रखा है कि आरटीई को लेकर जिन स्कूलों ने गरीब बच्चों को एडमिशन देने में टालमटोल की, उनकी मान्यता खतरे में पड़ सकती है।

अगले एक वर्ष में पेयजल समस्याओं के स्थायी समाधान के निर्देश

अवैध प्लॉटिंग और अवैध निर्माण पर कड़ाई बरतने को कहा

- शहरों में पेयजल आपूर्ति, अवैध प्लॉटिंग और अवैध निर्माण पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव सख्त
- उप मुख्यमंत्री श्री साव ने दिनभर चली बैठक में नगर निगमों और नगरपालिकाओं के कार्यों की समीक्षा की

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज प्रदेश के सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में दिनभर चली बैठक में शहरों में पेयजल आपूर्ति की समस्याओं, अवैध प्लॉटिंग और अवैध निर्माण पर नाराजगी जाहिर करते हुए इनके निराकरण के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने धमतरी में पेयजल योजना के काम में लेटलतीफी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्यपालन अभियंता को निलंबित करने तथा ठेकेदार पर पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए। नगर निगमों और नगर पालिकाओं की आज दो अलग-अलग हुई समीक्षा बैठकों में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक श्री आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण (सुडा) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय सहित सभी नगर निगमों के आयुक्त, नगर पालिकाओं के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता एवं नगरीय प्रशासन विभाग के पांचों संभागीय क्षेत्रीय कार्यालयों के संयुक्त संचालक भी बैठक में मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने समीक्षा बैठक में नगर निगमों और नगर पालिकाओं के अधिकारियों को शहरों की जरूरत के मुताबिक कार्ययोजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने निकायों की व्यवस्था और छवि सुधारने

सक्रियता व गंभीरता से काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि नगर निगम ऐसा काम करें जिससे राज्य की नगर पालिकाएं प्रेरणा ले सकें और नगर पालिका इस तरह से काम करें जिनसे नगर पंचायतें प्रेरित हो सकें। उन्होंने निकायों के अभियंताओं से कहा कि काम की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें नहीं आना चाहिए। सभी निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों, इस पर विशेष ध्यान दें। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने पेयजल आपूर्ति की लगातार आ रही शिकायतों पर नाखुशी और नाराजगी जाहिर करते हुए अगले वर्ष तक सभी नगर निगमों में इसके स्थाई समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरों में केवल बजट खर्च करने के उद्देश्य से काम न करें, बल्कि समस्याओं का स्थाई समाधान करें। पेयजल समस्या की शिकायतों पर जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगामी 31 मई तक सभी नगर निगमों में बड़े नाला-नालियों और ड्रेनेज की सफाई के काम पूर्ण करने के साथ ही बरसात में जल भराव रोकने जरूरी उपाय करने को कहा। जून के पहले सप्ताह में राज्य स्तरीय टीम नगर निगमों में इसका भौतिक निरीक्षण करेंगी। कार्य संतोषजनक न मिलने पर स्वास्थ्य अधिकारी और इंजीनियर पर कार्रवाई की जाएगी। श्री साव ने बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को सितम्बर-2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अप्रारंभ आवासों के निर्माण एक माह के भीतर हर हाल में शुरू करने के साथ ही मार्च-2026 में स्वीकृत सभी आवासों को वर्षा ऋतु के पहले प्रारंभ करने को कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत निर्धारित 18 माह की अवधि में निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राहियों के प्रस्ताव अविलंब विभाग को भेजने के निर्देश दिए, ताकि ऐसे हितग्राहियों को मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना की 32 हजार 850 रुपए की अतिरिक्त राशि प्रदान की जा सके। श्री साव ने पीएम स्वनिधि योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा स्ट्रीट वेंडर्स को दिलाने बैंकों से बात कर ऋण स्वीकृत कराने के निर्देश दिए।

भेलवापाल में किसानों को मिला समग्र कृषि ज्ञान.....

रायपुर। संवाददाता

जिले के ग्राम भेलवापाल में 18 अप्रैल 2026 को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के 50 से 55 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आधुनिक, लाभकारी एवं टिकाऊ खेती से जुड़ी उन्नत तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती, मृदा संरक्षण तथा सब्जी उत्पादन के वैज्ञानिक तरीकों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और खेती को दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित बनाना रहा।कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के कीट वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक खेती प्रभारी डॉ. योगेश कुमार सिदार ने रासायनिक खेती से होने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने किसानों को बताया कि निरंतर रासायनिक उर्वरक व कीटनाशकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता घटती है, लागत बढ़ती है और मानव स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। इसके विकल्प के रूप में उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाने का संदेश देते हुए इसके दीर्घकालिक लाभों पर प्रकाश डाला।डॉ. सिदार ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र एवं दशपर्णी अर्क तैयार करने की विधि को सरल भाषा में समझाया और उनके प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से मृदा स्वास्थ्य सुधार पर जोर देते हुए किसानों को मिट्टी का नमूना लेने की वैज्ञानिक प्रक्रिया समझाई तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि मिट्टी की जांच के आधार पर ही संतुलित पोषण प्रबंधन संभव है, जिससे उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ लागत भी कम होती है।वहीं कार्यक्रम में उद्यानिकी विशेषज्ञ डॉ. गुंजेश्री गोंड ने किसानों को ग्रीष्मकालीन सब्जियों की उन्नत खेती के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने गर्मी के मौसम में उपयुक्त सब्जियों के चयन, उनकी देखभाल, सिंचाई प्रबंधन एवं उत्पादन तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की।

विद्यार्थियों ने पक्षियों के लिए बनाए घोंसले, संवेदनशील शिक्षा का दिया संदेश

रायपुर। शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का समावेश भी आवश्यक है। इसी सोच को साकार करते हुए जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन में सारागांव हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने एक प्रेरणादायक पहल की है।विद्यालय में आयोजित समर कैम्प के दौरान कक्षा 12वीं की छात्राओं—छाया, साक्षी और टीना ने मिलकर पक्षियों के लिए सुरक्षित एवं आकर्षक घोंसलों का निर्माण किया। इन घोंसलों को रचनात्मक ढंग से तैयार कर विद्यालय परिसर के पेड़ों पर स्थापित किया गया, जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को आश्रय और सुरक्षा मिल सके।

महिलाओं के साथ किए गए इस

महापाप का परिणाम कांग्रेस व विपक्षी दलों को भुगतना पड़ेगा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने नारी शक्ति वन्दन (संशोधन) अधिनियम को लोकसभा में पारित नहीं होने देने के लिए कांग्रेस समेत इण्डी गठबंधन के सहयोगी दलों पर जमकर निशाना साधा है। नेता द्वय ने रविवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में आहूत एक महती पत्रकार वार्ता में कहा कि महिलाओं के साथ किए गए इस महापाप का परिणाम कांग्रेस व विपक्षी दलों को भुगतना पड़ेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारे देश की आधी आबादी, माता-बहनों को देश के विकास में सहभागी बनाने और लोकसभा व विधानसभाओं में उनका 33 प्रतिशत नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नारी शक्ति वन्दन (संशोधन) अधिनियम लाया गया था और संसद के विशेष सत्र में उस पर चर्चा की गई।16 से 18 अप्रैल तक आहूत संसद के सत्र से पहले एक बहुत अच्छा वातावरण पूरे देश व प्रदेश में था। देशभर की मातृशक्ति में इस अधिनियम को लेकर काफी उमंग व उत्साह का वातावरण था। महिलाओं की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए देशभर में अनेक कार्यक्रम हो रहे थे। लेकिन दुर्भाग्य का विषय है कि हमारी माता-बहनों की खुशी कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और समाजवादी पार्टी के अड़ियल और महिला विरोधी राजनीतिक चरित्र के चलते साकार नहीं हो पाई।

नगर निगम में भ्रष्टाचार की जांच शुरू,चार अफसर निलंबित हुए..

रायपुर/ संवाददाता

नगर निगम में करोड़ों के घोटाले के मामले में 4 अधिकारियों को निलंबित किया गया है। आयुक्त ने विभागीय और कानूनी जांच के आदेश दिए हैं। नगर निगम में सामने आए 100 करोड़ से अधिक के कथित भ्रष्टाचार मामले ने प्रशासनिक व्यवस्था को हिला कर रख दिया है। इस पूरे प्रकरण में एक उच्चस्तरीय जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है, जिसमें गंभीर अनियमितताओं और नियमों की अनदेखी सामने आई है। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने जानकारी देते हुए बताया कि जोन क्रमांक 10 से जुड़े मामले में तत्कालीन जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता आशीष शुक्ला, इंजीनियर योगेश यादव और अजय श्रीवास्तव को निलंबित किया गया है। इनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। साथ ही वेतन वृद्धि पर रोक और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया भी जारी रहेगी। जांच में सामने आया है कि करीब 150 से 159 एकड़ अवैध जमीन को नियमों के खिलाफ जाकर वैध करने की कोशिश की गई। इस पूरी प्रक्रिया में नगर निगम मुख्यालय को दरकिनार किया गया। संरचना अनुमति और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग अपरूवल में गंभीर गड़बड़ियां पाई गईं। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया कि कई बार मूल दस्तावेज (नस्ती) मांगे जाने के बावजूद उपलब्ध नहीं कराए गए। 70 से अधिक खसरा नंबरों से जुड़ी फाइलें गायब बताई जा रही हैं। यह अपने आप में पूरे मामले को और संदिग्ध बनाता है। रिपोर्ट में यह भी संकेत मिला है कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के कुछ अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध हो सकती है। बिल्डरों, दलालों और अधिकारियों के बीच गठजोड़ की संभावना जताई गई है। यह पूरा मामला बोरियाखुर्द, ओम नगर, साई नगर और बिलाल नगर जैसे इलाकों से जुड़ा है। यहां के भूखंडों को नियमों के विपरीत जाकर वैध बनाने की प्रक्रिया अपनाई गई। 70 से अधिक खसरा नंबर इस घोटाले के दायरे में बताए जा रहे हैं नियम के मुताबिक फाइल पहले जोन से निगम मुख्यालय, फिर कमिश्नर और उसके बाद अग्रेष्ट विभाग जाती है। लेकिन इस मामले में— फाइल सीधे जोन से निगम भेज दी गई। कमिश्नर की मंजूरी को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया।

मॉल की पार्किंग से गायब हुई 9 लाख की इनोवा सीसीटीवी ट्रैकिंग से खुला खेल

रायपुर। सिटी सेंटर मॉल की पार्किंग में खड़ी इनोवा कार अचानक गायब हुई तो मामला चोरी नहीं बल्कि अंदरखाने गबन का निकला और पुलिस ने महज कुछ ही समय में शातिर आरोपी को कार समेत धर दबोच लिया, 18 अप्रैल 2026 को सम्बलपुर निवासी प्रार्थी सुरजीत सिंह चावला अपने परिवार के साथ मॉल घूमने आए थे, पार्किंग टिकट लेकर बेटे ने वाहन की चाबी कर्मचारी को सौंपी और महज 30 मिनट बाद लौटने पर गाड़ी गायब मिली, पूछताछ में खुलासा हुआ कि मॉल का कर्मचारी मनीष साहू उर्फ डेकेश्वर साहू ही इनोवा कार क्रमांक ओडी 15 ए 5089 लेकर फरार हो गया है, कार में पर्स, दस्तावेज और 15 हजार रुपये नगद भी थे, घटना सामने आते ही थाना देवेन्द्र नगर में धारा 316(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज हुआ और पुलिस उपायुक्त क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला तथा मध्य जोन डीसीपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए, एंटी क्राइम और साइबर यूनिट के साथ थाना देवेन्द्र नगर की टीम एक्टिव हुई, मॉल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, आरोपी के भागने के रूट को एक-एक फ्रेम में ट्रैक किया गया, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई।

4.19 लाख से अधिक जांच, 4272 मरीजों को मिला विशेषज्ञ उपचार

- मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान से सुदूर अंचलों तक पहुंच रही सशक्त स्वास्थ्य सेवाएं
- गांव-गांव पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहीं टीमें, मरीजों को मिल रहा बेहतर उपचार

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर संभाग के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और सुलभ बनाने की दिशा में संचालित मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान सकारात्मक परिणामों के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा गांव-गांव पहुंचकर अब तक 4,19,898 से अधिक नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण (स्क्रीनिंग) किया जा चुका है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। अभियान के दौरान चिन्हित मरीजों को तत्काल निःशुल्क जांच, दवा एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही गंभीर एवं जटिल मामलों में प्रभावी रेफरल व्यवस्था के माध्यम से अब तक 4,272 मरीजों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर कर विशेषज्ञ उपचार सुनिश्चित किया गया है। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को भी समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंच को और मजबूत करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों एवं सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों के बीच समन्वय स्थापित कर एक सुदृढ़ स्वास्थ्य तंत्र विकसित किया गया है। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स एवं नियमित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से विशेष रूप से पहुंचविहीन क्षेत्रों तक सेवाएं प्रभावी रूप से पहुंचाई जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक का डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफाइल (आभा) तैयार किया जा रहा है, जिससे भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित हो सके। साथ ही, यह पहल रोगों की समय पर पहचान और प्रभावी उपचार में भी सहायक सिद्ध हो रही है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक नागरिक तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे और शत-प्रतिशत स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

सर्वब्राम्हण समाज के परशुराम जयंती समारोह में पहुंचे उद्योग मंत्री

ब्राम्हण समाज हर वर्ग व समाज के कल्याण के लिये कार्य करता है-मंत्री लखनलाल देवांगन....

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत आज कोरबा में परशुराम द्विज परिवार व सर्वब्राम्हण समाज द्वारा आयोजित भगवान परशुराम जयंती समारोह में पहुंचे, दोनों समाज के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण किया तथा समाज के लोगों की मांग पर अनेकों सौगात प्रदान की, उन्होने भगवान परशुराम जी की जयंती की अपनी हार्दिक शुभकामनायें व बधाई समाज के लोगों को दी तथा उनके आशीर्वाद की कामना की। इस मौके पर सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर व पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित जनप्रतिनिधिगण व समाज के लोग उपस्थित थे। आज परशुराम जयंती के अवसर पर परशुराम द्विज परिवार व सर्वब्राम्हण समाज कोरबा के द्वारा अपने-अपने भवनों में परशुराम जयंती समारोह का आयोजन किया गया। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने समारोह में पहुंचकर भगवान श्री परशुराम जी का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा इस मौके पर अनेक सौगातें भी प्रदान की। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के द्वारा परशुराम द्विज परिवार के भवन के प्रथम तल के शेष कार्य एवं द्वितीय तल के निर्माण कार्य हेतु 25 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी, उक्त निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिसका लोकार्पण आज उनके करकमलों से किया गया। इसी प्रकार सर्वब्राम्हण समाज के ब्रम्हवाटिका के समीप उद्योग मंत्री श्री देवांगन के प्रयास से जिला खनिज न्यास मद से 20 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, प्रसाधन निर्माण व अन्य विकास कार्य कराये गये हैं, इसका लोकार्पण भी उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने भगवान परशुराम जी की जयंती की बधाई देते हुये कहा कि ब्राम्हण समाज हर वर्ग व समाज के कल्याण के लिये कार्य करता है, उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करता है तथा विश्व कल्याण की कामना रखता है। भगवान परशुराम का आशीर्वाद हम सब पर बना रहे, मैं यह कामना करता हूँ।

संपादकीय

स्थायी शांति के लिए संवाद की गुंजाइश बनाने के लिए हर स्तर पर पहलकदमी हो

यह समझना मुश्किल है कि जब ईरान के मुताबिक चौदह दिनों के युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी हमले रोकना भी शामिल था, तो इजरायल को लेबनान के नागरिक ठिकानों पर हमला करके शांति की उम्मीद पर चोट करने की क्या जरूरत थी ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद हाल ही में जब युद्धविराम पर सहमति बनी थी, तब एक उम्मीद पैदा हुई कि संभवतः दोनों पक्ष जल्दी ही स्थायी समाधान तक पहुंचने की कोशिश करेंगे। हालांकि इस बीच लेबनान पर इजरायल के हमले जारी रहने की वजह से युद्धविराम खतरे में पड़ता दिखा। इसके बावजूद पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता से यह उम्मीद बंधी थी कि संभवतः युद्ध खत्म होने की कोई राह निकलेगी मगर वार्ता की विफलता की जैसी जैसी खबरें आईं, वे निराश करने वाली हैं। दरअसल, रविवार को बातचीत खत्म होने के बाद अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच फासला कम करने और समझौता कराने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन हम किसी समझौते तक नहीं पहुंच सके। दूसरी ओर, ईरान की ओर से कहा गया कि अमेरिका की ह्यअत्यधिक गैरवाजिब मांगोंह्ण और उसके रुख में लचीलापन न होने के कारण दोनों देशों के बीच हुई बातचीत किसी समझौते के बिना खत्म हो गई।जाहिर है, इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच लगभग इक्कीस घंटे चली बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। इसीलिए इसे एक विफल वार्ता कहा जा रहा है। सवाल है कि जब दोनों पक्षों के सामने विवाद के मुद्दे स्पष्ट थे, तो क्या वे इन पर व्यावहारिक रुख अख्तियार करते हुए युद्ध खत्म करने के मकसद के साथ एक कदम पीछे, चार कदम आगे के सूत्र पर काम नहीं कर सकते थे।अमेरिका किसी भी समझौते तक पहुंचने के लिए ईरान से परमाणु हथियार नहीं बनाने और इस क्षमता को हासिल करने के लिए जरूरी उपकरण जुटाने से दूर रहने का आश्वासन चाहता है। वहीं ईरान का कहना है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई रचनात्मक योजनाएं पेश कीं, लेकिन अमेरिकी ईरान का विश्वास हासिल नहीं कर सके। जब युद्ध खत्म करने की इच्छा के पीछे ईमानदारी हो, तो वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए शर्तों को पूरा किए जाने की मांग के जिद में तब्दील होने से बचने के हालात बनाने की जरूरत होती है।बातचीत के प्रमुख मुद्दों में ईरान में युद्ध का पूरी तरह अंत, ईरान की जब्त संपत्तियां, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध मुआवजा, प्रतिबंधों को हटाना और होर्मुज जलमार्ग शामिल थे। मगर क्या इन मसलों पर दोनों पक्षों की ओर से व्यावहारिक नजरिया अपनाए बिना किसी ठोस हल तक पहुंचा जा सकता है? यह समझना मुश्किल है कि जब ईरान के मुताबिक चौदह दिनों के युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी हमले रोकना भी शामिल था, तो इजरायल को लेबनान के नागरिक ठिकानों पर हमला करके शांति की उम्मीद पर चोट करने की क्या जरूरत थी।गौरतलब है कि इजरायल के इसी हमले के बाद ईरान ने दोबारा होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की घोषणा कर दी थी। सिर्फ इस जलमार्ग के बाधित होने की वजह से भारत सहित दुनिया के बहुत सारे देशों में प्राकृतिक गैस और तेल की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। यह सही है कि अमेरिका और ईरान के जैसे संबंध रहे हैं, उसमें सब कुछ ठीक हो जाने की उम्मीद करना मुश्किल है। मगर लंबे अरसे के बाद दोनों देशों के बीच बातचीत का अवसर निकला था इसलिए शांति वार्ता के नाकाम होने के बावजूद जरूरत इस बात की है कि सबसे पहले कम से कम युद्धविराम को बनाए रखने के लिए सभी पक्ष संवेदनशील रहें। और किसी भी पक्ष की ओर से आक्रामक बयानबाजी के बजाय स्थायी शांति के लिए संवाद की गुंजाइश बनाने के लिए हर स्तर पर पहलकदमी हो।

राख, रक्त, राजनीति और अधूरा सच

13,000 से अधिक हमले, नौसेना का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा समाप्त, हथियार कारखानों का व्यापक विनाश और वायु रक्षा प्रणाली का लगभग ध्वंस, ड्रोन, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल क्षमताओं को गंभीर आघात, यह किसी साधारण सैन्य अभियान का चित्र नहीं था, यह एक संरचना को जड़ से हिला देने वाला प्रहार था। पर सबसे गहरी चोट वहां लगी, जहां आंकड़े नहीं पहुंचते, पर जख्म सबसे गहरा लगता है, मतलब शीर्ष नेतृत्व पर आघात। ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर इस संघर्ष में मारे गए। निर्णय लेने वाली वह परत, जो युद्ध के समय राष्ट्र का मस्तिष्क होती है, अचानक शून्य में बदल गई। यह स्थिति उस वटवृक्ष की तरह प्रतीत होती है, जिसकी शाखाएं भले बची हों, पर जड़ों को भीतर से कमजोर कर दिया गया हो।

(प्रणय विक्रम सिंह)

7 अप्रैल 2026 की वह दोपहर केवल एक तारीख नहीं थी, वह एक ऐसा क्षण था, जब शब्दों ने विश्व राजनीति की नई दिशा को छू लिया। वाशिंगटन में खड़े होकर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 'हमने अपने सारे सैन्य उद्देश्य हासिल कर लिए हैंज पूर्ण विजयज 100 प्रतिशत।' उनके स्वर में ठहराव नहीं, ठसक थी, एक ऐसा आत्मविश्वास, जो युद्ध के बाद अक्सर विजेताओं के चेहरों पर उतर आता है। लेकिन इतिहास जानता है कि विजय का सबसे बड़ा भ्रम यही होता है कि वह स्वयं को पूर्ण मान लेती है।

इस घोषणा के ठीक एक दिन बाद पेंटागन में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' को एक ऐतिहासिक सफलता बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की सैन्य शक्ति को वर्षों के लिए निष्प्रभावी कर दिया गया है। उस समय यह सब सुनते हुए ऐसा लगता था मानो युद्ध समाप्त हो चुका है और परिणाम स्पष्ट है। परंतु युद्ध की धूल जब बैठती है, तब ही उसके निशान दिखते हैं और वे निशान अक्सर बयान से अधिक बोलते हैं। ईरान की धरती पर उस युद्ध के निशान अभी भी धुएं की तरह तैर रहे हैं। टूटे हुए रनवे, जली हुई सैन्य फैक्ट्रियां और समुद्र में डूबे जहाज ये सब उस प्रचंड प्रहार की गवाही देते हैं, जो अमेरिका और उसके सहयोगी इज़राइल ने मिलकर किया।

13,000 से अधिक हमले, नौसेना का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा समाप्त, हथियार कारखानों का व्यापक विनाश और वायु रक्षा प्रणाली का लगभग ध्वंस, ड्रोन, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल क्षमताओं को गंभीर आघात, यह किसी साधारण सैन्य अभियान का चित्र नहीं था, यह एक संरचना को जड़ से हिला देने वाला प्रहार था।

पर सबसे गहरी चोट वहां लगी, जहां आंकड़े नहीं पहुंचते, पर जख्म सबसे गहरा लगता है, मतलब शीर्ष नेतृत्व पर आघात। ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर इस संघर्ष में मारे गए। निर्णय लेने वाली वह परत, जो युद्ध के समय राष्ट्र का मस्तिष्क होती है, अचानक शून्य में बदल गई। यह स्थिति उस वटवृक्ष की तरह प्रतीत होती है, जिसकी शाखाएं भले बची हों, पर जड़ों को भीतर से कमजोर कर दिया गया हो।

लेकिन युद्ध केवल विनाश का गणित नहीं है, यह प्रभाव का विज्ञान भी है। इसे केवल प्रहारों की संख्या से नहीं, बल्कि परिणामों की स्थिरता से आंका जाता है। और यहीं से प्रारंभ होती है वह जटिलता, जो इस युद्ध को 'पूर्ण विजय' के दावे से परे ले जाती है। ईरान टूटा जरूर, पर झुका नहीं। उसकी सत्ता संरचना कायम रही। और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण उसने अपने भूगोल को हथियार बना लिया। होर्मुज़ जलडमरूमध्य, जो वर्षों से वैश्विक व्यापार का मौन मार्ग था, अब शक्ति का प्रतीक बन गया। इस संकीर्ण जलमार्ग पर ईरान की पकड़ पहले से कहीं अधिक सशक्त हो गई। दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा अब उस दरवाजे से गुजरता है, जिसकी चाबी ईरान के हाथ में है। ईरान अब इस मार्ग का 'द्वारपाल' बन चुका है। अर्थात जहां एक ओर उसकी सैन्य संरचना कमजोर हुई, वहीं उसकी सामरिक स्थिति सशक्त हुई। यह वही विरोधाभास है, जो इस युद्ध को जटिल बनाता है। और यहीं से वह अंतर स्पष्ट होने लगता है, जो विजय के उद्घोष और यथार्थ के बीच मौजूद होता है।

युद्धभूमि पर घोषित सफलता, जब कूटनीतिक मेज तक पहुंचती है, तो कई ऐसे प्रश्न छोड़ जाती है, जिनसे बचा नहीं जा सकता। अमेरिका-ईरान समझौते का असफल होना केवल कूटनीतिक विफलता नहीं, बल्कि उसी यथार्थ का प्रतिबिंब है। प्रश्न है कि जब अधिकांश शीर्ष नेतृत्व 'शहीद' हो गया, जब आधा मुल्क तबाह-ओ-बर्बाद हो गया, इजरायल समझौते में शामिल भी नहीं हुआ, लेबनान पर हमले जारी हैं, हमास और हिज्बुल्लाह लगातार निशाने पर हैं, तब ईरान सीजफायर की मेज पर आया क्यों? विश्व शांति के लिए? या हालात की मजबूरी? यह निर्णय 'बाय च्वाइस, बाय फोर्स' अब इन सवालों से भी महत्वपूर्ण वह प्रश्न, जो इस पूरे युद्ध के पीछे छिपा था परमाणु कार्यक्रम।

क्या वह समाप्त हुआ? उत्तर- नहीं।

उच्च संवर्धित यूरेनियम अब भी ईरान के पास है। वह शांत दिखाई देने वाला तत्व, जो भविष्य को सबसे बड़ी आशंका बन सकता है, अब भी वहीं है। यह उस अंगारे की तरह है, जिसे राख से ढंक दिया गया हो, पर जो भीतर ही भीतर जलता रहता है।

युद्ध के इन बड़े-बड़े विमर्शों के बीच एक और कहानी है, जो अक्सर दब जाती है। वह कहानी है इंसानों की। 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत और सैकड़ों घायल और दूसरी ओर, ईरान में 1,665 नागरिकों का जीवन समाप्त हो जाना, जिनमें 248 बच्चे थे। ये आंकड़े नहीं, अधूरी कहानियां हैं, ऐसे घरों की, जहां अब दरवाजे तो हैं, पर दस्तक देने वाला कोई नहीं। ये केवल आंकड़े नहीं, ये वे अनकहे आर्तनाद हैं, जो किसी भी विजय के उत्सव को मौन कर देते हैं।

इस युद्ध ने केवल दो देशों को नहीं बदला, इसने दुनिया को भी प्रभावित किया। नाटो के भीतर मतभेद उभरे, रूस को अप्रत्यक्ष लाभ मिला और खाड़ी देशों ने अपने सुरक्षा समीकरणों पर पुनर्विचार शुरू कर दिया। कुछ विशेषज्ञों ने तो यहां तक कहा कि यह युद्ध आने वाले वर्षों में परमाणु हथियारों के प्रसार का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। क्योंकि यह संदेश स्पष्ट हुआ, जिसके पास परमाणु शक्ति नहीं, वही सबसे अधिक असुरक्षित है।

ईरान के भीतर भी इस युद्ध की प्रतिध्वनि दूर तक जाएगी। उसके शीर्ष नेतृत्व का कमजोर होना केवल सत्ता का संकट नहीं, बल्कि विचारधारा का संकट भी है। इस युद्ध में मुस्लिम ब्रदरहुड का बुलबुला भी फूट गया। पाकिस्तान समेत विश्व के बड़े इस्लामिक गणराज्य अमेरिका के साथ नजर आए। जब नेतृत्व टूटता है, तो केवल संरचना नहीं, विश्वास भी टूटता है। और इसी बीच, युद्ध का एक और चेहरा सामने आता है, थकान का। अमेरिका और उसके सहयोगियों ने इस संघर्ष में अपने सैन्य संसाधनों का व्यापक उपयोग किया है। मिसाइलें, रक्षा प्रणालियां इंटरसेप्टर आदि सबका उपयोग हुआ है। अब इन सबको पुनः तैयार करना होगा और यह पुनर्निर्माण केवल समय ही नहीं, अपार धन भी मांगेगा।

इन सबके बीच भारत खड़ा है, न तो इस युद्ध का पक्षधर, न ही दर्शक मात्र। भारत के लिए यह संघर्ष केवल एक समाचार नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर आने वाला तेल भारत की जीवनरेखा है। ऐसे में भारत का दृष्टिकोण स्वाभाविक रूप से संतुलित और संयमित है। वह जानता है कि युद्ध समाधान नहीं, संवाद ही स्थायित्व देता है।

तो क्या यह वास्तव में 'पूर्ण विजय' है?

शायद नहीं। अंततः, यह स्पष्ट होता है कि विजय का उद्घोष भले हो चुका हो, पर यथार्थ अभी भी प्रश्नों में खड़ा है।

अमेरिका ने युद्धभूमि पर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है, परंतु क्या उसने वह स्थिरता सुनिश्चित की है, जिसकी उसे तलाश थी? यह प्रश्न अभी भी हवा में तैर रहा है।युद्ध की कहानियां केवल जीत और हार में नहीं लिखी जातीं, वे लिखी जाती हैं राख में, रक्त में और उन सवालों में, जो समय के साथ और गहरे होते जाते हैं। और इस युद्ध की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि

विजय घोषित हो चुकी है, पर इतिहास का निर्णय अभी बाकी है।

ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

तकनीक के दौर में अंधविश्वास का जाल, महिलाओं पर बढ़ता खतरा

हाल में झारखंड के हजारीबाग में एक स्तब्ध करने वाली घटना सामने आई। खबरों के मुताबिक, एक महिला ने अपने बेटे की शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं से निजात पाने के लिए तांत्रिक के कहने पर अपनी बेटी की हत्या कर दी। इसी तरह एक ढोंगी बाबा द्वारा महिलाओं की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक समस्याएं सुलझाने के नाम पर यौन शोषण से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर प्रचारित हुए।

(मोनिका शर्मा)

हाल में झारखंड के हजारीबाग में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां बेटे की समस्या से निजात के लिए तांत्रिक के कहने पर एक महिला ने अपनी बेटी की हत्या कर दी। वहीं, एक ढोंगी बाबा द्वारा महिलाओं के यौन शोषण के वीडियो भी सामने आए, जो गंभीर चिंता का विषय है।

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि तकनीकी तरक्की और शिक्षित समाज के बढ़ते आंकड़ों के बीच देश के दूरदराज के क्षेत्रों से लेकर बड़े शहरों तक अंधविश्वास की जकड़बंदी खत्म नहीं हो रही है। एक ओर धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर महिलाओं का शोषण किया जाता है, तो दूसरी ओर मुसीबतों से छुटकारा पाने के लिए तांत्रिकों के इशारे पर मासूम बच्चों की हत्या कर दी जाती है। ऐसी घटनाओं में लालच और स्वार्थ का खेल स्पष्ट नजर आता है।सब कुछ सही कर देने वाले वादों और दावों के जाल में लोग आसानी से फंस जाते हैं। खासकर महिलाएं अंधविश्वास के फेर में पड़कर अपनी सुरक्षा को जोखिम में डालने को तैयार हो जाती हैं। कुंठित और आपराधिक मानसिकता वाले स्वयंभू बाबाओं तथा तांत्रिकों से लंबे समय तक जुड़े रहना न केवल समग्र समाज को नकारात्मक संदेश देता है, बल्कि आज के शिक्षित वर्ग की सोच एवं समझ पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है।

हाल में झारखंड के हजारीबाग में एक स्तब्ध करने वाली घटना सामने आई। खबरों के मुताबिक, एक महिला ने अपने बेटे की शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं से निजात पाने के लिए तांत्रिक के कहने पर अपनी बेटी की हत्या कर दी। इसी तरह एक ढोंगी बाबा द्वारा महिलाओं की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक समस्याएं सुलझाने के नाम पर यौन शोषण से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर प्रचारित हुए। यह मामला चर्चा और चिंता का गंभीर विषय है।

दरअसल, अंधी आस्था के साथ शुरू होने वाला यह जालसाजी का खेल भयादोहन तक जा पहुंचता है। कई

महिलाएं अपने परिवार को बताए बिना ऐसे स्वयंभू बाबाओं से मिलती हैं और घर-आंगन, बच्चों या जीवनसाथी से जुड़ी परेशानियों का हल ढूंढ़ने के फेर में इस दलदल में धंसती चली जाती हैं। कई बार तो वे ढोंगी बाबा की सच्चाई जानने के बाद भी इस जाल से बाहर नहीं निकाल पातीं। ऐसे फर्जी जुड़ावों से पनपी जद्दोजहद आगे चलकर आपराधिक घटनाओं का भी कारण बनती है। बदनामी के भय के कारण कई महिलाएं तो आत्महत्या का रास्ता तक चुन लेती हैं। हाल के वर्षों में शिक्षा, अनुसंधान और अन्य वैज्ञानिक उपलब्धियों के मोर्चे पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। बावजूद इसके कभी ग्रहण बताकर तो कभी जादू-टोना करने के नाम पर महिलाओं की हत्या कर दी जाती है। ऐसी घटनाओं के पीछे स्पष्ट रूप से स्वार्थ साधने का व्यावहारिक खेल होता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से स्त्री समाज को मिलेगा अधिकार और सम्मान

हर जनम मोहे बिटिया ही कीजो

प्रो.मनोज कुमार

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' यह मात्र श्लोक नहीं है बल्कि सनातनी परंपरा इस बात की साक्षी है कि हर युग में मातृशक्ति को पूरा सम्मान और अधिकार दिया जाता रहा है. जहाँ स्त्री का सम्मान होता है, उसे बराबरी का अधिकार दिया जाता है, वह घर, समाज और राष्ट्र पुष्पित-पल्लवित होता है. भारत वर्ष में हर युग में स्त्री को अधिकार और सम्मान दिया जाता रहा है किन्तु बीते दशकों में स्त्रियों को अधिकार और सम्मान के नाम पर छलावा किया जाता रहा है. योजना बनाने की घोषणा होती रही है और इसे कभी अमलीजामा नहीं पहनाया गया. स्त्री स्वयं को ठगा सा महसूस करती रही है. हालात अब बदलने लगे हैं. डेढ़ दशक में महिला कल्याण के लिए बातों और वायदों से ऊपर उठकर जमीनी स्तर पर उन्हें अधिकार और सम्मान दिया जा रहा है. हालिया सत्ता में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का केन्द्र सरकार का फैसला उन्हीं में से एक है. स्त्री सशक्तिकरण को इस फैसले से वास्तविक शक्ति मिलेगी क्योंकि सत्ता में भागीदारी से ही उसकी ताकत में इजाफा होता है. महिलाओं की सत्ता में भागीदारी का यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि की सोच का परिणाम है. इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि केन्द्र सरकार के इस फैसले के इतर कोई भी राजनीतिक दल जाएगा क्योंकि यह सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय का संदेश देता है. इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि इस नए कानून को सर्वसम्मति से पारित किये जाने की पूरी संभावना है, बावजूद इसके कि किसी भी प्रकार की और देरी दुर्भाग्यपूर्ण होगी और भारत की महिलाओं के साथ घोर अन्याय होगा। महिलाओं की सत्ता में भागीदारी का यह प्रस्ताव स्वतंत्र भारत का यह क्रांतिकारी पहल है. इससे ना केवल महिलाओं को अधिकार प्राप्त होगा बल्कि देश की राजनीति का आचार-व्यवहार भी बदलेगा. इस पहल की सबसे बड़ी बात यह है कि समाज अब तक स्त्रियों को लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा का दर्जा देकर उन्हें महिमामंडित करता रहा है लेकिन अब वास्तव में यह स्वरूप व्यवहार में देखने को मिलेगा. यह बिल दोनों सदनों से पास होकर कानूनी रूप ले लेता है, तो यह दशकों में भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली का सबसे बड़ा ढांचागत बदलाव होगा, जो 2029 में देश को 273 महिला सांसद देगा.

महिलाओं की सत्ता में भागीदारी का यह प्रस्ताव भारत का भविष्य तय करने वाला है. प्रतिदिन महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार, उनके साथ अन्याय और आर्थिक रूप से निर्बल बनाने की जो कुचक्र जारी है, उसे तोड़ने में यह सहायक होगा. इस प्रस्ताव के पूर्व समूची राजनीति दलों में महिलाओं की सहभागिता का आंकड़ा जाँचें

तो स्थिति शर्मनाक दिखती है. पुरुष प्रधान समाज की जो धारणा है, वह पुष्ट करती है. यही नहीं, महिला सहभागिता का अवसर भी तभी दिया गया जब लगा कि उनकी सहभागिता से ही उनके राजनीतिक और आर्थिक उद्देश्य पूरे होंगे. पिछले डेढ़ दशक की विवेचना करें तो समाज इस बात के लिए राहत महसूस कर सकता है कि आहिस्ता-आहिस्ता स्त्रियों के पक्ष में अनेक ठोस कदम उठाये गए हैं. सबसे उल्लेखनीय पक्ष तो यही है कि मोदी सरकार का यह फैसला संप्रदाय या धर्म विशेष को लक्ष्य करके नहीं बल्कि भारतीय स्त्री समाज के पक्ष में लिया गया है. तीन तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त किया गया तो यह भारतीय स्त्री समाज के हक में ही है. आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग की स्त्रियों को सर्वशक्तिशाली पद पर निर्विकार भाव से बिठाया गया तो यह स्त्री सम्मान का सबसे बड़ा उदाहरण के रूप में आप देख सकते हैं. देश की राष्ट्रपति पद पर विदुषी मुर्मु का चयन किया गया. चाहते तो किसी सामान्य वर्ग की कुलीन स्त्री को अवसर दे सकते थे लेकिन ऐसा नहीं कर संदेश दिया गया कि सबका साथ, सबका विकास में समाज के अंतिम छोर पर बैठे प्रतिभावान स्त्री को अवसर देना है. मोदी जी उस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं जो उनके शीर्ष नेतृत्व ने आरंभ किया था. स्मरण रहे कि मध्यप्रदेश के इतिहास में उमा भारती को मुख्यमंत्री निर्वाचित कर इस परंपराका श्रीगणेश किया गया. इसके पहले ऐसा साहस किसी सत्ताधारी दल ने नहीं किया. दो अन्य राज्यों में भी भाजपा ने महिला मुख्यमंत्री बनाने का कार्य किया. अन्य प्रभावशाली पदों पर महिलाओं को अधिकार सम्पन्न बनाकर उन्हें सम्मान दिया गया और हालिया प्रस्ताव इस सोच को विस्तार देता है.

ताजा प्रस्ताव के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2029 में लोकसभा और विभिन्न विधानसभाओं के चुनाव महिलाओं के लिए पूरे आरक्षण के साथ कराए जाते हैं, तो भारतीय लोकतंत्र और भी मजबूत और जीवंत बनेगा। उनका मानना है कि महिलाएं आज कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही हैं, इसलिए विधायी संस्थाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाना बेहद जरूरी है। यहाँ यह भी जान लेना उचित होगा कि महिलाओं की सत्ता में भागीदारी का यह प्रस्ताव कैसे लागू किया जाएगा. महिला आरक्षण विधेयक जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम संबोधित किया गया है, जिसके पारित होने से संसद में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत सुनिश्चित हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि 1996 में महिला आरक्षण विधेयक की जाँच करने वाली संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट में सिफारिश की गई थी कि ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति देने के लिए संविधान में संशोधन होने के बाद अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान किया जाना चाहिए. ज्ञात रहे कि 19 सितंबर 2023 को मोदी सरकार ने विशेष सत्र में इस विधेयक को 128वें संवैधानिक संशोधन विधेयक, 2023 के रूप में पेश किया था। अब नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा से पारित होने के बाद दोबारा राज्यसभा में जाएगा.

इस अधिनियम के पारित होने पश्चात लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटें 131 में से 43 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी. इन 43 सीटों को सदन में महिलाओं के लिए आरक्षित कुल सीटों के एक हिस्से के रूप में गिना जाएगा. महिलाओं के लिए आरक्षित 181 सीटों में से 138 ऐसी होंगी जिन पर किसी भी जाति की महिला को उम्मीदवार बनाया जा सकेगा यानी इन सीटों पर उम्मीदवार पुरुष नहीं हो सकते.

महिलाओं को सत्ता में अधिकार देने के लिए वर्तमान व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने के स्थान पर परिसीमन कर सीटें बढ़ायी जा रही है जिसमें भी सरकार की मानें तो रोटेशन पद्धति लागू होगी. वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं. नए प्रस्ताव के तहत 50 प्रतिशत वृद्धि के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 816 हो जाएगी. इन 816 सीटों में से एक तिहाई यानी करीब 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी. सबसे खास बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया के लिए अब अगली जनगणना का इंतजार नहीं किया जाएगा, बल्कि 2011 की जनगणना के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी. साल 2029 का लोकसभा चुनाव पूरी तरह से इसी नए बिल और नई परिसीमन व्यवस्था के आधार पर लड़ा जाएगा.

मोदी सरकार की महिलाओं हक में लिये गए फैसले ऐतिहासिक रूप में याद किए जाएंगे. अपने डेढ़ दशक के कार्यकाल में महिलाओं की शक्ति में ही इजाफा नहीं हुआ अपितु उन्हें आर्थिक, राजनीतिक रूप से भी बराबरी का दर्जा हासिल हुआ है. कल तक जो बिटिया अपने जन्म पर निराश होकर कहती थी-'अगले जनम मोहे बिटिया ना कीजो', आज वही बिटिया अपने जन्म पर इतरा रही है और कह रही है कि 'मोहे हर जनम बिटिया ही कीजो'. स्त्री सम्मान भारतीय

गांव में जल मीनार से आया बड़ा बदलाव पानी की समस्या से मिली राहत

कोंडागांव। समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत एचडीएफसी बैंक परिवर्तन एवं अंबुजा फाउंडेशन के सहयोग से ग्राम धनसुली में जल मीनार का निर्माण किया गया। इस पहल से गांव में पेयजल की समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। पहले गांव के लोगों को लगभग 5 किलोमीटर दूर नाले से पानी लाना पड़ता था, जो साफ और सुरक्षित नहीं होता था। पानी की कमी के कारण ग्रामीणों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। ग्रामीणों ने बताया कि पानी की तलाश में उन्हें रोजाना इधर-उधर भटकना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की बर्बादी होती थी। अब जल मीनार के निर्माण के बाद गांव में घर-घर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे न केवल लोगों के समय और मेहनत की बचत हुई है, बल्कि उनके स्वास्थ्य और जीवन स्तर में भी सुधार देखने को मिला है। यह पहल ग्रामीण विकास और जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

किरन्दुल वार्ड क्रमांक 17 में 5.90 लाख की लागत से नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न

किरन्दुल । किरन्दुल स्थित वार्ड क्रमांक 17 में विकास कार्यों को गति देते हुए पार्षद ए अनिल के घर के पीछे से रेलवे वेलकम गेट तक लगभग 100 मीटर लंबी नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन सोमवार नगरपालिका अध्यक्ष रूबी सिंह के कर-कमलों द्वारा विधिवत रूप से संपन्न किया गया। इस निर्माण कार्य की अनुमानित लागत 5.90 लाख रुपये निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर कार्य का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं जैसे नाली, सड़क एवं स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस नाली निर्माण से क्षेत्र में जल निकासी की समस्या का समाधान होगा और स्वच्छता में भी सुधार आएगा। वार्ड पार्षद ए अनिल ने क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्य लंबे समय से क्षेत्र की आवश्यकता थी, जिसे अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नाली निर्माण से बरसात के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी और आसपास का वातावरण भी स्वच्छ बना रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि वार्ड के समग्र विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं और आने वाले समय में अन्य आवश्यक कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएंगे। इस दौरान नगरपालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी, पूर्व पालिकाध्यक्ष अनिल राजी मोल एवं वार्डवासी उपस्थित रहें।

तेज़ आंधी-तूफान से व्यापक नुकसान, दंतेवाड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

किरंदुल। बीती रात आए तेज़ आंधी-तूफान ने जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई,जिससे अनेक मकानों को क्षति पहुँची और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। कई स्थानों पर पेड़ गिरने एवं विद्युत तार टूटने से बिजली व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो गई हैं, जिससे ग्रामीणों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं।घटना की सूचना मिलते ही जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने त्वरित संज्ञान लेते हुए कुआकोंडा ब्लॉक के मैलेवाड़ा, श्यामगिरी, टिकनपाल, फूलपाड़ सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना और मौके पर ही स्थिति का विस्तृत निरीक्षण किया। दौरे के दौरान मुड़ामी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को तत्काल निर्देशित करते हुए कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर राहत कार्य प्रारंभ किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से विद्युत व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने, नुकसान का त्वरित सर्वे कराने तथा सभी प्रभावित परिवारों के प्रकरण जल्द से जल्द तैयार कर उन्हें नियमानुसार सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि राहत एवं पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक प्रभावित परिवार तक समय पर सहायता पहुँचना सुनिश्चित किया जाए। जिला पंचायत अध्यक्ष मुड़ामी ने कहा कि इस आपदा की घड़ी में प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

एनएमडीसी किरन्दुल अस्पताल में सरवाईकल फाइब्रोएड (ट्यूमर) का सफल ऑपरेशन

किरंदुल। किरंदुल कॉम्प्लेक्स के रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक के कुशल निर्देशन एवं के.एल.नागवेणी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के मार्गदर्शन में परियोजना चिकित्सालय अपनी उत्तम सुविधाओं से कर्मचारियों और आसपास के आदिवासी ग्रामीणों को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान कर रहा है। किरंदुल के सर्वसुविधायुक्त परियोजना अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने एक जटिल सर्जरी को अंजाम देते हुए महिला मरीज के पेट से लगभग 4 किलोग्राम सरवाईकल फाइब्रोएड (ट्यूमर) सफलतापूर्वक निकाला। महिला को पिछले कई महीनों से पेट बढ़ा और दर्द होने की शिकायत थी। महिला मरीज ने परियोजना चिकित्सालय में डॉक्टरों से परामर्श लिया। तत्पश्चात डाक्टरों ने जांच और स्कैन में पाया कि मरीज के पेट में एक विशाल सरवाईकल फाइब्रोएड (ट्यूमर) मौजूद है,जो न सिर्फ उनके सामान्य जीवन को प्रभावित कर रहा था, बल्कि अन्य अंगों को भी नुकसान पहुंचा सकता था। मुख्य चिकित्सा अधिकारी परियोजना चिकित्सालय डॉ एम वी लाल के निर्देशन में एक सर्जरी टीम गठित की गई जिसमें डा.मनीषा लाल, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, डा.अजय कुमार, निश्चेतना वरिष्ठ मेल नर्स रोमिया मसीह एवं आपरेशन थियेटर इंचार्ज निर्मला पटेल मुख्य रूप से शामिल थे। मरीज को आपरेशन थियेटर में ले जाया गया और मरीज के पेट में मौजूद एक विशाल सरवाईकल फाइब्रोएड (ट्यूमर) को सफलता पूर्वक निकाला और मरीज को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया गया। सर्वसुविधायुक्त परियोजना चिकित्सालय में लेप्रोस्कोपी, एंडोस्कोपी, फेको सर्जरी, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, ब्लड बैंक एवं कॉम्पानेंट लैब जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे पूर्व भी परियोजना चिकित्सकों ने कई गंभीर बीमारियों की सफल सर्जरी कर मरीज को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया हैं। इस उपलब्धि पर मरीज एवं उनके परिजनों तथा अधिकारी-कर्मचारियों ने सभी चिकित्सकों को हार्दिक बधाई दी।

जनगणना 2027 के तहत स्व-गणना 30 अप्रैल तक, कलेक्टर ने की स्व-गणना करने की अपील

कांकेर। जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने हेतु कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने जिले के नागरिकों से स्व-गणना पोर्टल https://se.census.gov.in/ पर स्वयं जानकारी दर्ज करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनगणना 2027 के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में स्व-गणना 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक किया जाएगा, जबकि मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 01 मई से 30 मई तक किया जाएगा। प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे तथा हर मकानों की जानकारी दर्ज की जाएगी। इसके अलावा घर की स्थिति, सुविधाएं और मूलभूत जानकारी भी संकलित की जाएगी। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत आपकी जानकारी पूरी तरह सुरक्षित एवं गोपनीय रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत सघन स्वास्थ्य जांच जारी, दूरस्थ गांवों तक पहुंच रही स्वास्थ्य विभाग की टीमें

कोंडागांव। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत जिले में सघन स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत परिवार के प्रत्येक सदस्य का स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें जिले के गांव-गांव पहुंचकर लोगों की स्क्रीनिंग कर रही हैं। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के दूरस्थ गांवों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के साथ रूरल मोबाईल मेडिकल यूनिट और रेडक्रॉस मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही है, जिसमें सभी प्रकार के स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध है। जिले के ग्राम पेरमापाल, कीलम, बेचा, टिमनार जैसे दूरस्थ अंचलों के गांवों में पहुंचकर स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की। अभियान के दौरान टीबी, मलेरिया, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, मधुमेह, कैंसर, मोतियाबिंद, सिकल सेल एवं एनीमिया जैसी बीमारियों की जांच की जा रही है। साथ ही गर्भवती महिलाओं की पहचान भी की जा रही है। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान मरीजों को मौके पर ही आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा गंभीर या जोखिम वाले मामलों को बेहतर जांच एवं उपचार के लिए रेफर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत कलेक्टर ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई

कोंडागांव। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत जिला कार्यालय में कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। इस दौरान उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान स्वस्थ बस्तर की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम घर घर पहुंच रही है। सभी नागरिक स्वास्थ्य विभाग की टीम से स्वास्थ्य की जांच अवश्य कराएं और निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाएं। उल्लेखनीय है कि बस्तर संभाग में मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान- के अंतर्गत शुरू हुई विशेष अभियान में स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर परिवार के सभी सदस्यों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग कर डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल बनाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य मावा सेहत, मावा बस्तर के अंतर्गत घर-घर स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना है। इसके तहत उच्च रक्तचाप, मधुमेह, सिकल सेल, एनीमिया, कैंसर, टीबी, मलेरिया और कुष्ठ सहित अन्य मौसमी बीमारियों और रोगों की निःशुल्क जांच की जा रही है।

साथ ही इलाज की आवश्यकता के आधार पर बेहतर उपचार भी उपलब्ध कराई जा रही है।

महता कैंप में सर्व धर्म प्रार्थना स्थल का उद्घाटन, एकता और सद्भाव का संदेश

कोंटा। क्षेत्र अंतर्गत महता कैंप स्थित 219 बटालियन में सर्व धर्म प्रार्थना स्थल का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कमांडेंट पार्थ सारथी घोष ने विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी (ऑप्स) अनुराग राज, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल आर तथा सहायक कमांडेंट गौरव सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान आसपास के गांवों की कन्याओं को आमंत्रित कर विधिवत कन्या पूजन कराया गया। साथ ही विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान पूरे विधि-विधान से संपन्न किए गए, जो सभी धर्मों के प्रति सम्मान और सद्भाव का प्रतीक रहा। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने सामूहिक रूप से शांति और भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया तथा उपस्थित ग्रामीणों और जवानों के बीच मिठाइयों का वितरण किया गया। कार्यक्रम ने क्षेत्र में आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संदेश दिया। कमांडेंट पार्थ सारथी घोष ने कहा कि सर्व धर्म प्रार्थना स्थल न केवल आध्यात्मिक शांति का केंद्र बनेगा, बल्कि क्षेत्र में एकता और सद्भाव को भी सुदृढ़ करेगा। उन्होंने बताया कि महता कैंप की स्थापना के बाद से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है, जिससे शांति और स्थाई स्थिरता स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

उचित मूल्य की दुकान संचालन हेतु 30 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित

कांकेर। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कांकेर द्वारा विकासखण्ड नरहरपुर अंतर्गत लेम्पस दबेना, लेम्पस सरोना, ग्राम पंचायत देवीनवागांव, ग्राम पंचायत घनोरा, लेम्पस बासनवाही, ग्राम पंचायत कुम्हानखार, मावलीपारा और सरोना में शासकीय उचित मूल्य की दुकान आबंटित किए जाने हेतु इच्छुक पात्र एजेंसियों से आगामी 30 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए वृहत्ताकार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति, कृषि साख समितियों, वन सुरक्षा समितियों, महिला स्व-सहायता समूह, ग्राम पंचायत एवं अन्य सहकारी समितियां जो शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालित करने के इच्छुक हैं, ऐसी संस्था से समस्त दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रारूप में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कांकेर में कार्यालयीन समय पर आगामी 30 अप्रैल तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

खनिज प्रभावित क्षेत्र के कोर एरिया में स्थित गांवों को मॉडल गांव में रूप में विकसित की योजना

कांकेर। जिले के खनिज प्रभावित क्षेत्रों के कोर एरिया मंप स्थित गांवों को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। चिन्हांकित गांवों में सभी मूलभूत सुविधाएं सड़क, बिजली, पानी उपलब्ध कराने के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों सहित अन्य संस्थाओं में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने इसके लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। आयोजित समय-सीमा की बैठक में उनके द्वारा विभिन्न प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए इस आशय के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागीय कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। सभी विभागों को आगामी पांच साल की कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए गए। बस्तर मुन्ने अभियान की सफलता के लिए विभागीय योजनाओं में पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी उपलब्ध कराने कहा गया। कलेक्टर द्वारा सभी विभागों को ई-ऑफिस में कार्य करने तथा कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन सहित अन्य लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की गई तथा प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे एवं ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन और नगरीय निकायों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना के लिए सुपरवाईजर और प्रगणकों को दी गई प्रशिक्षण जनगणना आंकड़ों का संग्रहण डिजिटल उपकरणों के माध्यम से

कांकेर। भारत की जनगणना 2027 के लिए सुपरवाइजर और प्रगणकों को दो चरणों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। भारत में जनगणना 1872 से की जा रही है आगामी दशकीय जनगणना देश की 16वीं जनगणना और स्वतंत्रता के बाद यह 8वीं जनगणना होगी। यह जनगणना विशिष्ट और उल्लेखनीय है क्योंकि यह भारत की पहली ऐसी जनगणना होगी, जिसमें जनगणना आंकड़ों का संग्रहण डिजिटल उपकरणों के माध्यमों से किया जाएगा जिसकी मॉनिटरिंग सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। प्रगणकों के द्वारा विशिष्ट मोबाइल एप्लीकेशन का प्रयोग करते हुए परिवारों से आंकड़ों का संग्रहण कर किया जाएगा। तहसील कांकेर चार्ज अधिकारी ग्रामीण के लिए दो चरणों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। पहले प्रशिक्षण 13, 14 और 15 अप्रैल को संपन्न हुआ। दूसरे चरण का प्रशिक्षण 18, 19 और 20 अप्रैल को पूर्ण हुआ। कांकेर विकासखंड के 100 ग्रामों को 160 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में बांटा गया है, जिसके लिए 160 प्रगणक और 27 सुपरवाइजर की नियुक्ति की गई है। सभी प्रगणक और सुपरवाइजर को प्रशिक्षक मंडल के द्वारा आगामी प्रथम चरण 01 मई से 30 मई तक होने वाले जनगणना कार्य के लिए एचएलबी ऐप के माध्यम से मकान भवनों का सूचीकरण कार्य संबंधी 34 प्रश्नों के माध्यम से कार्य पूर्ण करने की जानकारी दी गई।

कांग्रेस महिला आरक्षण के समर्थन में थी और है: विक्रम मंडावी

भाजपा का महिला आरक्षण पर भ्रमजाल विफल! परिसीमन का षड्यंत्र विपक्ष की एकजुटता से ध्वस्त

बीजापुर। जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार महिला आरक्षण के मुद्दे पर देश की महिलाओं के साथ लगातार भ्रम की स्थिति पैदा कर रही है। कांग्रेस पार्टी महिलाओं के अधिकार, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने की कांग्रेस की स्पष्ट और दृढ़ इच्छाशक्ति उसके विचारों और कार्यों में साफ झलकती है। प्रेस वार्ता में विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि भाजपा निरंतर भ्रम फैला रही है कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन नहीं किया, इसलिए बिल पास नहीं हो सका। यह सरासर झूठ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 (106वां संविधान संशोधन) संसद के दोनों सदनों में पारित हो चुका है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और यह कानून बन चुका है। विधायक विक्रम मंडावी ने स्पष्ट किया कि भाजपा सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया 131वां संविधान संशोधन विधेयक महिला आरक्षण से संबंधित नहीं था। भाजपा महिला आरक्षण को मुखौटा बनाकर परिसीमन संशोधन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल पास कराना चाहती थी। इस विधेयक में लोकसभा की कुल सीटें बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव (राज्यों के लिए 815 तथा केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें)। परिसीमन के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने का प्रावधान। पुदुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के कानूनों में संशोधन ताकि परिसीमन और महिला आरक्षण को लागू किया जा सके। आदि प्रस्तावित मुख्य प्रावधान थे। विधायक विक्रम मंडावी ने विधेयक के पारित न होने का कारण बताते हुए कहा कि देश के कई राज्यों, विशेषकर दक्षिणी राज्यों को इस परिसीमन बिल पर आपत्ति थी। भाजपा आरक्षण के नाम पर परिसीमन बिल पास कराना चाहती थी। सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना चाहती है, जबकि 2026-27 की जनगणना शुरू हो चुकी है और सरकार ने जाति जनगणना की भी बात कही है। ऐसे में नए आंकड़ों के आधार पर परिसीमन क्यों नहीं किया जा रहा? उन्होंने पूछा कि यदि सरकार महिला आरक्षण को तुरंत लागू करना चाहती है तो परिसीमन का इंतजार किए बिना वर्तमान सदस्य संख्या में ही 33 प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं दिया जा रहा? कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल इसके लिए तैयार हैं। सरकार 2023 के नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन कर महिला आरक्षण को तुरंत लागू कर सकती थी, लेकिन उसने ऐसा क्यों नहीं किया? वर्तमान कानून के अनुसार यह आरक्षण 2036 से प्रभावी होगा, जबकि संशोधन से इसे तुरंत लागू किया जा सकता था। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि भाजपा की असली मंशा महिला आरक्षण की नहीं, बल्कि अपने मनमाफिक तरीके से सीटों का परिसीमन करने की थी, जो विपक्षी दलों की एकजुटता के कारण सफल नहीं हो सका। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण की प्रबल समर्थक है। राजीव गांधी ने 1989 में पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने का विधेयक पेश किया था। बाद में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार ने इसे कानून बना दिया। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण का विधेयक डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में लाया गया, जो राज्यसभा में पारित भी हुआ। कांग्रेस के प्रयासों से देशभर में पंचायतों और स्थानीय निकायों में 15 लाख से अधिक महिलाएं निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रही हैं। अंत में उन्होंने कहा कि भाजपा का सीटों के परिसीमन का षड्यंत्र विफल हो गया है, इसलिए अब वह महिला आरक्षण के नाम पर पूरे देश में भ्रम फैला रही है। देश की महिलाएं भाजपा के इस चाल-चरित्र को समझ चुकी हैं और उसके भ्रमजाल में नहीं फंसेंगी। प्रेस वार्ता के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कमलेश कारम, जिला कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राजेश जैन, महामंत्री जितेंद्र हेमला, पार्षद बेनहूर रावतिया, पुरुषोत्तम सल्लूर, संतोष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

इन समर स्पेशल ट्रेनों में अधिकाधिक यात्रियों को मिलेगी कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा

बिलासपुर। भारतीय रेलवे द्वारा ग्रीष्म ऋतु 2026 के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए और सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही है। इसी क्रम में वर्तमान में चल रही स्पेशल गाड़ियों के अतिरिक्त 02 जोड़ी ट्रेन चर्लपल्ली-मधुपुर-चर्लपल्ली के मध्य, 03 जोड़ी ट्रेन चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली के मध्य एवं 01 जोड़ी ट्रेन चर्लपल्ली-बरौनी-चर्लपल्ली के मध्य सहित कुल 06 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है 7 यात्रीगण कृपया समय पर अग्रिम आरक्षण कराकर इन सभी ट्रेनों की सुविधा का लाभ सुरक्षित, सहज एवं आरामदायक यात्रा के लिए उठा सकते हैं । इन 06 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है - चर्लपल्ली-मधुपुर-चर्लपल्ली गाड़ी संख्या 07580 चर्लपल्ली-मधुपुर समर स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से दिनांक 23 अप्रैल 2026 को तथा गाड़ी संख्या 07581 मधुपुर-चर्लपल्ली समर स्पेशल ट्रेन मधुपुर से दिनांक 24 अप्रैल 2026 को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है 7 गाड़ी संख्या 07580 चर्लपल्ली-मधुपुर समर स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से दिनांक 23 अप्रैल 2026 को 11.30 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये गोंदिया 20.40 बजे, दुर्ग 23.10 बजे, दूसरे दिन रायपुर 00.05 बजे, बिलासपुर 02.25 बजे होते हुये 17.00 बजे मधुपुर स्टेशन पहुंचेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07581 मधुपुर-चर्लपल्ली समर स्पेशल ट्रेन मधुपुर से दिनांक 24 अप्रैल 2026 को 19.00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन बिलासपुर 08.10 बजे, रायपुर 09.55 बजे, दुर्ग 10.55 बजे, गोंदिया 12.55 बजे होते हुये तीसरे दिन 04.00 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी 7 चर्लपल्ली-मधुपुर-चर्लपल्ली - गाड़ी संख्या 07586 चर्लपल्ली-मधुपुर समर स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से दिनांक 30 अप्रैल 2026 को तथा गाड़ी संख्या 07587 मधुपुर-चर्लपल्ली समर स्पेशल ट्रेन मधुपुर से दिनांक 01 मई 2026 को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है 7 गाड़ी संख्या 07586 चर्लपल्ली-मधुपुर समर स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से दिनांक 30 अप्रैल 2026 को 11.30 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये गोंदिया 20.40 बजे, दुर्ग 23.10 बजे, दूसरे दिन रायपुर 00.05 बजे, बिलासपुर 02.25 बजे होते हुये 17.00 बजे मधुपुर स्टेशन पहुंचेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07587 मधुपुर-चर्लपल्ली समर स्पेशल ट्रेन मधुपुर से दिनांक 01 मई 2026 को 19.00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन बिलासपुर 08.10 बजे, रायपुर 09.55 बजे, दुर्ग 10.55 बजे, गोंदिया 12.55 बजे होते हुये तीसरे दिन 04.00 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी 7 चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली - गाड़ी संख्या 07584 चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर समर स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से दिनांक 24 अप्रैल 2026 को तथा गाड़ी संख्या 07585 मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली समर स्पेशल ट्रेन मुजफ्फरपुर से दिनांक 26 अप्रैल 2026 को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है 7 गाड़ी संख्या 07584 चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर समर स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से दिनांक 24 अप्रैल 2026 को 14.00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन गोंदिया 00.03 बजे, दुर्ग 02.18 बजे, रायपुर 03.05 बजे, बिलासपुर 05.00 बजे होते हुये तीसरे दिन 05.00 बजे मुजफ्फरपुर स्टेशन पहुंचेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07585 मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली समर स्पेशल ट्रेन मुजफ्फरपुर से दिनांक 26 अप्रैल 2026 को 23.45 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये तीसरे दिन बिलासपुर 01.30 बजे, रायपुर 03.15 बजे, दुर्ग 04.08 बजे, गोंदिया 06.28 बजे होते हुये 19.00 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी 7 चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली - गाड़ी संख्या 07582 चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर समर स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से दिनांक 28 अप्रैल 2026 को तथा गाड़ी संख्या 07583 मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली समर स्पेशल ट्रेन मुजफ्फरपुर से दिनांक 30 अप्रैल 2026 को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है 7 गाड़ी संख्या 07582 चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर समर स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से दिनांक 28 अप्रैल 2026 को 14.00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन गोंदिया 00.03 बजे, दुर्ग 02.18 बजे, दूसरे दिन रायपुर 03.05 बजे, बिलासपुर 05.00 बजे होते हुये तीसरे दिन 05.00 बजे मुजफ्फरपुर स्टेशन पहुंचेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07583 मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली समर स्पेशल ट्रेन मुजफ्फरपुर से दिनांक 30 अप्रैल 2026 को 23.45 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये तीसरे दिन बिलासपुर 01.30 बजे, रायपुर 03.15 बजे, दुर्ग 04.08 बजे, गोंदिया 06.28 बजे होते हुये 19.00 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी 7 चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली - गाड़ी संख्या 07590 चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर समर स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से दिनांक 01 मई 2026 को तथा गाड़ी संख्या 07591 मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली समर स्पेशल ट्रेन मुजफ्फरपुर से दिनांक 03 मई 2026 को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है 7 गाड़ी संख्या 07590 चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर समर स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से दिनांक 01 मई 2026 को 14.00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन गोंदिया 00.03 बजे, दुर्ग 02.18 बजे, दूसरे दिन रायपुर 03.05 बजे।

संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक,तरुण प्रकाश ने किया सम्मानित

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 21 अप्रैल, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 07 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । बिलासपुर रेल मण्डल के यातायात सहायक-ड्डु/ चाँपा, श्री भानुप्रताप सिंह ने दिनांक 07 मार्च, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान एक माल गाड़ी के सिग्नल एक्सचेंज के दौरान पाया कि गाड़ी में इंजन से 11वें वैगन से असामान्य आवाज आ रहा है । इन्होंने तुरंत स्टेशन मास्टर, चाँपा को सूचित किया जिसके उपरांत निरीक्षण करने पर उक्त वैगन में फ्लैट टायर पाया गया । जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर ठीक किया गया । इस प्रकार श्री भानुप्रताप सिंह की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । बिलासपुर रेल मण्डल के यातायात सहायक श्री बी. जगदीश राव ने दिनांक 14 मार्च, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान माल गाड़ी के 42वें वैगन से असामान्य आवाज आ रही है । इन्होंने तुरंत स्टेशन मास्टर को सूचित किया जिसके उपरांत निरीक्षण करने पर उक्त वैगन में फ्लैट टायर पाया गया, जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी को सुरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार श्री बी. जगदीश राव की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । बिलासपुर रेल मण्डल के वरिष्ठ सहायक लोको पायलट/ कोरबा श्री पवन कुमार कर्ष ने दिनांक 23 मार्च, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान माल गाड़ी में कार्य के दौरान एक दूसरी माल गाड़ी के साथ सिग्नल आदान-प्रदान करते समय देखा कि गाड़ी में इंजन से 15वें वैगन में हॉट एक्सल है । जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी को सुरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार श्री पवन कुमार कर्ष की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । रायपुर रेल मण्डल के ट्रैक मेंटेनर-ड्डड्ड/ भाटापारा श्री शेखुराम ने दिनांक 12 मार्च, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान टेढ़का समपार फाटक सं.- 382 (किलोमीटर 759/4-6) ड्यूटी के दौरान एक गाड़ी में हॉट एक्सल देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया । जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी का सुरक्षित संचालन किया गया । इस प्रकार श्री शेखुराम की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । रायपुर रेल मण्डल के टेक्नीशियन-ड्डु / भाटापारा श्री महेश कुमार श्रीवास ने दिनांक 11 मार्च, 2026 को भाटापारा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर ओ. एच. ई. मास्ट संख्या-764/30 के पास स्थित इलेक्ट्रिक फ्यूज बॉक्स में अचानक धुआँ उठते देखा, जो देखते ही देखते आग में परिवर्तित हो गया । इस आपात स्थिति में इन्होंने सूझबूझ तत्परता एवं सजगता का परिचय देते हुए तत्काल प्लेटफॉर्म नंबर-03 पर स्थित कैटरिंग स्टॉल से फायर एक्सटिंगयूसर लेकर तुरंत ही आग की लपटों को प्रभावी रुप से नियंत्रित कर पूर्णत: बूझा दिया । इस प्रकार श्री शेखुराम की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । नागपुर रेल मण्डल के पॉइंट्स मैन-बी/ मुड़ीपार, श्री आकाश नायक ने दिनांक 11 मार्च, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान समपार फाटक सं .-454 पर ड्यूटी के दौरान इंजिन से तीसरे वैगन में धुआँ निकलते हुए देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी का सुरक्षित संचालन किया गया । इस प्रकार श्री आकाश नायक की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । नागपुर रेल मण्डल के लोको पायलट (सवारी)/ गोंदिया श्री मनोज कुमार सिंह ने दिनांक 07 मार्च, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान गाड़ी क्र. 68815 मे कार्य करते समय सिंदेवाही ड्डु आलेवाही के बीच कि.मी. 1164/8-7 में ध्वनि के साथ भारी झटका महसूस किया और इन्होंने तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया ।

विश्व विरासत दिवस सप्ताह के अंतर्गत रेलवे स्कूलों में चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के दिशानिर्देशानुसार बिलासपुर रेल मंडल में दिनांक 18 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 तक विश्व विरासत दिवस सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर पूरे सप्ताह मंडल में सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में आज बिलासपुर स्थित विभिन्न रेलवे विद्यालयों में चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी सृजनात्मकता और प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्मारकों एवं प्राकृतिक धरोहरों को आकर्षक रंगों एवं कल्पनाशीलता के साथ प्रस्तुत किया। वहीं निबंध लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विरासत संरक्षण के महत्व, उसकी उपयोगिता एवं भावी पीढ़ियों के लिए उसके संरक्षण की आवश्यकता पर अपने विचार प्रभावी ढंग से व्यक्त किए। यह कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें देश की अमूल्य सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे । विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रतिभागी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता हेतु प्रेरित किया गया।

गर्मी व उमस से राहत हेतु जरूरतमंद यात्रियों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं ओआरएस सैशे

■ अभिनव पहल से यात्रियों को डिहाइड्रेशन से मिल रही प्रभावी राहत

बिलासपुर। भीषण गर्मी एवं उमस के मौसम में यात्रियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बिलासपुर रेल मंडल द्वारा एक सराहनीय पहल की जा रही है। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के निर्देशन में स्टेशनों एवं ट्रेनों में जरूरतमंद यात्रियों को ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट) सैशे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी होने से डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) की समस्या उत्पन्न हो जाती है,जो समय पर ध्यान न देने पर गंभीर रूप ले सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा यात्रियों को आवश्यकता अनुसार ओआरएस सैशे वितरित किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिल सके और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम किया जा सके। उल्लेखनीय है कि भीषण गर्मी के मद्देनजर बिलासपुर रेल मंडल द्वारा यात्रियों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु स्टेशनों पर पर्याप्त संख्या में वाटर कूलर एवं पेयजल नलों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त रेलवे प्रशासन के विशेष पहल के तहत मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर समाजसेवी संस्थाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से निःशुल्क प्याऊ के माध्यम से ठंडे पेयजल की भी व्यवस्था की गई है। इस समन्वित प्रयास के तहत यात्रियों को न केवल शीतल पेयजल, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर ओआरएस सैशे की सुविधा भी उपलब्ध हो रही है। बिलासपुर रेल मंडल की यह पहल यात्रियों को गर्मी एवं उमस से राहत प्रदान करने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हो रही है।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने मिस्टिंग सिस्टम का संचालन प्रारंभ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को मौसम के अनुरूप बेहतर एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए बिलासपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांकड्ड01 पर अत्याधुनिक मिस्टिंग सिस्टम का सफलतापूर्वक संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। उक्त मिस्टिंग सिस्टम को विधिवत परीक्षण (टेस्टिंग) के उपरांत आज से चालू किया गया, जिससे स्टेशन पर प्रतीक्षारत यात्रियों को गर्मी से काफी राहत मिल रही है। इस प्रणाली के माध्यम से प्लेटफॉर्म पर ठंडी एवं बारीक जल फुहारें छोड़ी जा रही हैं, जो वातावरण को शीतल एवं आरामदायक बना रही हैं। इसके परिणामस्वरूप यात्रियों को भीषण गर्मी के बीच भी सुखद अनुभव प्राप्त हो रहा है। यात्रियों की सुविधा एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मिस्टिंग सिस्टम के सुचारु संचालन एवं नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि पूरे ग्रीष्मकाल के दौरान यह सुविधा प्रभावी रूप से उपलब्ध रह सके और यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि रेल प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है 7 साथ ही भविष्य में भी इस प्रकार की यात्री-केन्द्रित सुविधाओं के विस्तार हेतु सतत प्रयासरत रहेगा

श्रद्धा महिला मंडल द्वारा प्याऊ का शुभारंभ,राहगीरों की सुविधा हेतु वॉटर कूलर स्थापना की,जनहितकारी पहल..

बिलासपुर। परहित एवं जनकल्याण के प्रति समर्पित श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल बिलासपुर द्वारा भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए एक सराहनीय पहल की गई। दिनांक 19 अप्रैल 2026 को मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन के मार्गदर्शन में शहर के प्रमुख स्थलों इंदिरा विहार, बसंत विहार एवं नेहरू शताब्दी चौक पर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। इस पहल के अंतर्गत इन तीनों स्थानों पर कुल तीन वॉटर कूलर स्थापित किए गए हैं तथा नियमित रूप से प्याऊ का संचालन भी सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे राहगीरों एवं आमजन को भीषण गर्मी में शीतल एवं स्वच्छ पेयजल सहजता से उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर श्रद्धा महिला मंडल की उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता बी. फ्रेंकलिन, श्रीमती विनीता जैन एवं श्रीमती शुभश्री महापात्रा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्याओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने इस लोकोपकारी कार्य में सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत राहगीरों को आम पना वितरण के साथ की गई, जिससे पानी हैज् तो ज़िंदगानी हैज् के संदेश को सार्थक रूप दिया गया। इन स्थानों पर स्थापित वॉटर कूलर एवं संचालित प्याऊ के माध्यम से राहगीरों को पूरे वर्ष भर शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिलेगी। परोपकाराय पुण्याय के भाव को साकार करती श्रद्धा महिला मंडल की यह पहल न केवल सेवा और संवेदना का उदाहरण है, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश भी देती है। यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु चर्लपल्ली-मधुपुर-चर्लपल्ली, चर्लपल्ली-मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली एवं चर्लपल्ली-बरौनी-चर्लपल्ली के मध्य 06 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,बिलासपुर मंडल भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा 10 किमी पैदल रात्रि हाईक का सफल आयोजन

बिलासपुर। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के तत्वावधान में दिनांक 18 अप्रैल 2026 को यंग फ्रेंड्स ग्रुप, ओपन ग्रुप एवं रेलवे स्कूल क्रमांकड्ड1 के स्काउट्स एवं गाइड्स के लिए 10 कि.मी. रात्रि पैदल हाइक का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शहर की भागदौड़ तथा मोबाइल व कंप्यूटर की आभासी दुनिया से बाहर निकालकर प्रकृति के समीप लाना, साथ ही उनमें साहस, आत्मनिर्भरता, शारीरिक क्षमता एवं टीमवर्क की भावना का विकास करना था। हाइक का प्रारंभ फ्रेंड ग्रुप स्काउट डेन से होकर कृष्णा पब्लिक स्कूल तक किया गया, जिसमें तीनों समूहों के लगभग 50 स्काउट्स-गाइड्स एवं शिक्षकगण उत्साहपूर्वक शामिल हुए। स्कूल परिसर में रात्रिकालीन गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें कैंपफायर, नाइट गेम्स एवं अन्य मनोरंजक व ज्ञानवर्धक कार्यक्रम शामिल रहे। रात्रि विश्राम के पश्चात 19 अप्रैल को प्रातः 9:30 बजे हाइक का समापन हुआ। हाइक के दौरान बच्चों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया तथा विभिन्न व्यावहारिक जानकारियाँ भी प्रदान की गईं। यह अनुभव बच्चों के लिए न केवल यादगार रहा, बल्कि उनकी शारीरिक एवं मानसिक क्षमता के विकास में भी सहायक सिद्ध होगा। इस दौरान रोवर्स एवं रेंजर्स ने भी सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। यह कार्यक्रम श्री अनुराग कुमार सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक तथा श्री दिलीप कुमार स्वाईन, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट), बिलासपुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री महेश बाबू (ग्रुप लीडर एवं प्राचार्य, रेलवे स्कूल क्रमांकड्ड1), श्री जनार्दन मिश्रा (ग्रुप लीडर, यंग फ्रेंड्स ग्रुप), श्री मदन लाल (ग्रुप लीडर, ओपन ग्रुप) तथा स्काउट मास्टर श्री फलेश कुमार साहू, श्री सुप्रियो दास, श्री सूरज विश्वकर्मा, श्री अजय कुमार निषाद एवं श्री एम. एम. दास के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर कृष्णा पब्लिक स्कूल से शैक्षणिक निदेशक श्रीमती सविता त्रिपाठी, प्रशासनिक निदेशक श्री वेदांश त्रिपाठी, प्राचार्य श्रीमती रुनकी अम्बष्ठा, उप-प्राचार्य श्री रमन मिश्रा, श्री अजय पाण्डेय एवं श्री चंद्रेश घृत की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्काउट-गाइड सदस्यों में श्री प्रणव शर्मा, सुश्री पद्मा गुप्ता, श्री नुतेश लोनिया, श्री अभिषेक श्रीवास्तव, सुश्री लकी रानी दत्ता एवं सुश्री एस. हेमलता ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन कर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

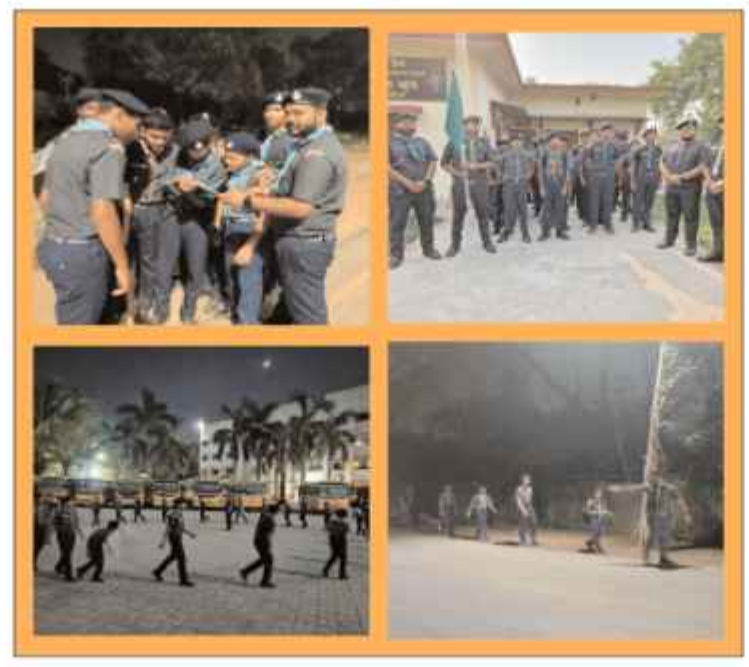

डाक विभाग ने चार मार्गों में किया आरटीएन सेवा का शुभारंभ

बिलासपुर। भारतीय डाक विभाग, बिलासपुर ने रोड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क (आरटीएन) सेवा के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 18 अप्रैल 2026 से जिले के चार नए क्षेत्रों में आरटीएन सेवा का शुभारंभ किया गया, जिससे डाक संचार और अधिक सुदृढ़ एवं तेज हो सकेगा। बिलासपुर आरएमएस (रेल डाक सेवा) से लोरमी, जैजैपुर, मरवाही और भैसमा उप डाकघर तक आरटीएन सेवा प्रारंभ की गई है। इससे इन क्षेत्रों में डाक के त्वरित आदान-प्रदान, ट्रैकिंग और डिलीवरी में तेजी आएगी और नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। बिलासपुर आरएमएस से लोरमी उप डाकघर तक के लिए रोड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क में बिलासपुर आरएस, चकरभाठा, बिल्हा, पथरिया, तखपुर और मुंगेली जोड़ा गया है। वहीं, जैजैपुर उप डाकघर के लिए मस्तुरी, जयरामनगर, गोपालनगर, नरियरा, पामगढ़, खरोद, शिवरीनारायण, बिर्रा, बम्हनी बाजार, जैजैपुर शामिल हैं। मरवाही उप डाकघर के लिए सकरी, गनियारी, करगी रोड, बेलगहना, पेंड्रा रोड, पेंड्रा और मरवाही को शामिल किया गया है। भैसमा उप डाकघर के लिए कोनी, रतनपुर, पाली, कटघोरा, पोड़ी उपरोड़ा, जमनीपाली, बालको नगर, कोरबा एचओ और भैसमा को रोड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क में जोड़ा गया है। इसी प्रकार चंद्रपुर एवं डब्ल्यूसीएल गेवरा मार्ग के लिए भी आरटीएन सेवा शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। डाक विभाग ने इस विस्तार से क्षेत्रीय स्तर पर डाक सेवाओं की निगरानी, पार्सल और स्पीड पोस्ट की डिलीवरी, स्थानीय व्यापार और ई-कॉमर्स को बढ़ावा मिलेगा।

स्कंद षष्ठी का व्रत भगवान कार्तिकेय को समर्पित

हिंदू पंचांग के अनुसार, महीने के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को स्कंद षष्ठी मनाई जाती है। इस महीने स्कंद षष्ठी 22 तारीख को मनाई जाएगी। स्कंद षष्ठी का व्रत भगवान शिव और माता पार्वती के बड़े पुत्र कार्तिकेय को समर्पित है। शास्त्रों में उन्हें सुब्रमण्यम, मुरुगन और षडानन जैसे अनेक नामों से पूजा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, स्कंद षष्ठी का व्रत उन दंपतियों के लिए अत्यंत मंगलकारी माना जाता है जो संतान प्राप्ति की कामना रखते हैं। इसके अलावा, यह व्रत शत्रुओं पर विजय, आत्मविश्वास में वृद्धि और जीवन की बाधाओं को दूर करने के लिए भी रखा जाता है। आइए, अब जानते हैं कि इस महीने की स्कंद षष्ठी व्रत के लिए मुहूर्त, व्रत पूजन विधि क्या और इस दिन किन आसान उपायों को करने से संतान प्राप्ति की इच्छा पूरी हो सकती है।

कब रखा जाएगा स्कंद षष्ठी व्रत?

स्कंद षष्ठी का व्रत किसी भी महीने के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को रखा जाता है। दृक पंचांग के अनुसार, वैशाख शुक्ल षष्ठी तिथि की शुरुआत 21 अप्रैल को रात 1 बजकर 19 मिनट से शुरू होगी। जबकि, इस तिथि की समाप्ति 22 अप्रैल को रात 10 बजकर 49 मिनट पर होगी। इसलिए, उदया तिथि की मान्यता के अनुसार 22 अप्रैल को ही स्कंद षष्ठी का व्रत रखा जाएगा।

स्कंद षष्ठी 2026 पूजा विधि

स्कंद षष्ठी के दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करें और स्वच्छ लाल या पीले वस्त्र धारण करें। हाथ में जल लेकर अपनी मनोकामना के साथ व्रत का संकल्प लें। इसके बाद एक साफ चौकी पर लाल वस्त्र बिछाएं और उस पर भगवान कार्तिकेय की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करें। भगवान कार्तिकेय के साथ शिव-पार्वती का पूजन भी करें। पूजन के दौरान भगवान कार्तिकेय को पंचामृत और जल से स्नान कराएं और उन्हें चंदन, कुमकुम और अक्षत अर्पित करें। शास्त्रों के अनुसार, कार्तिकेय जी को नीले फूल और मोरपंख अत्यंत प्रिय हैं, इसलिए इन्हें पूजा में जरूर शामिल करें। फिर, धूप-दीप जलाकर फल और मिठाई का भोग लगाएं। साथ ही पूजन के दौरान "ॐ स्कन्दाय नमः" या "ॐ शरवणभवाय नमः" मंत्र का जाप करें। पूजन के अंति में कथा सुनें और आरती करें।

स्कंद षष्ठी व्रत के नियम

स्कंद षष्ठी व्रत के दिन मन, वचन और कर्म से शुद्ध रहना जरूरी माना गया है। इसलिए इस दिन तामसिक भोजन (लहसुन, प्याज, मांस) और नशीली वस्तुओं का सेवन न करें। व्रत के दिन किसी भी प्रकार के विवाद, क्रोध या दूसरों की निंदा करने से बचें। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन जमीन पर सोना शुभ होता है। साथ ही, अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों को फल, वस्त्र या अनाज का दान करें।

संतान सुख के लिए क्या करें उपाय

शास्त्रों के अनुसार, संतान प्राप्ति के लिए स्कंद षष्ठी का व्रत बेहद खास है। मान्यतानुसार, इस दिन व्रत-पूजन के साथ-साथ विशेष उपाय करने से जल्द ही संतान सुख का योग बनता है। ऐसे में अगर आप भी संतान सुख की कामना करते हैं, तो स्कंद षष्ठी के दिन शाम के वक्त घर की दक्षिण दिशा में शुद्ध घी का एक दीपक जलाएं। मान्यता है कि इस दिन यह उपाय करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है।

घर बनवाने से पहले जान लें ये वास्तु नियम

नए घर का निर्माण करवाते समय लोग शुभ मुहूर्त का ध्यान रखते हैं। वहीं, वास्तु शास्त्र में घर बनवाने को लेकर कई बातें बताई गई हैं। कहते हैं यदि घर बनवाते समय वास्तु के नियमों का पालन किया जाए, तो जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। लेकिन जब घर वास्तु के अनुरूप नहीं बना हो, तो इसका नकारात्मक प्रभाव जीवन में पड़ता है। इससे घर की सुख और शांति छिन जाती है। ऐसे में घर बनवाते समय वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। ऐसा करने से जीवन में खुशहाली आती है और धन-धान्य में कोई कमी नहीं रहती है।

नींव से जुड़े वास्तु नियम

घर बनवाते समय सबसे पहले नींव रखी जाती है। घर की नींव हमेशा उचित दिशा में होना आवश्यक होता है। वास्तु के मुताबिक नींव की खुदाई और भूमि पूजन हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा से ही कराना चाहिए। इसे सुख-समृद्धि की दिशा कहते हैं। इसे भगवान शिव का निवास स्थान और देवताओं की दिशा भी माना गया है। यह ज्ञान, विद्या और सकारात्मक ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत है। इसके अलावा पश्चिम की दिशा को सबसे अंतिम में खोदना चाहिए। वहीं, दक्षिण की दिशा में नींव भरने का काम करना चाहिए। मकान में सबसे पहले दक्षिण की दीवार और उसके बाद पश्चिम की दिशा की दीवार बनवानी चाहिए। सबसे अंत में उत्तर व पूर्व दिशा में दीवार बनवाएं।

ना करें ये गलतियां

वास्तु के अनुसार मकान की नींव में पहली ईंट हमेशा स्थिर लग्न, शुभ मुहूर्त और शुभ दिन पर ही कराना चाहिए। इससे बाधाएं नहीं आती है। साथ ही घर में सुख और समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा धन के योग भी बनते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि जिस लग्न अथवा राशि में आप नींव रखें वह आठवीं नहीं होनी चाहिए।

नहीं लगवाएं पुरानी चीजें

मकान बनवाते समय कुछ चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। जैसे कुछ लोग मकान में पुरानी लकड़ी, लोहा आदि लगवाते है,लेकिन यह वास्तु के हिसाब से ठीक नहीं है। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति गडबडा सकती है। इसका असर सेहत पर भी पड़ता है। साथ ही वास्तु देवता भी नाराज हो जाते है।

बीच में ना रोकें कार्य

घर निर्माण कार्य यदि आपने शुरू करवा दिया है, तो बीच-बीच में इसे नहीं रोकना चाहिए। इसे कंप्लीट करवाकर ही बैठें। मान्यता है कि इससे राहु का वास हो जाता है। इससे घर के सदस्यों में मनमुटाव रहता है। साथ ही छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होने लगते है।

खिड़की और नल की दिशा

मकान बनवाते समय खिड़कियों का पूरा ध्यान रखें। घर में खिड़कियों की जगह हमेशा उत्तर व पूर्व में होनी चाहिए। घर में बड़ी से बड़ी खिड़की बनाने का प्रयास करें। साथ ही नल की दिशा का भी ध्यान रखें। पानी का नल लगाने के लिए उत्तर या पूर्व की दिशा सबसे अच्छी मानी गई है। भूलकर भी किसी नल को दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए।

बिना मेकअप के सुंदर दिखने के ब्यूटी हैक्स

असली खूबसूरती वो नहीं होती, जो मेकअप की परतों के पीछे छिपी हुई रहती है, बल्कि वो है जो सुबह बिना चेहरा धोए भी फ्रेश और ग्लोइंग लुक देती है। अक्सर लोग चेहरे की चमक बनाए रखने के लिए महंगे कॉस्मेटिक्स का सहारा लेते हैं, जो लंबे समय में केमिकल मौजूद होने की वजह से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में क्या आप जानते हैं 6 ब्यूटी हैक्स ऐसे हैं, जो आपकी त्वचा को बिना नुकसान पहुंचाए दमकता निखार दे सकते हैं। जी हां, बिना मेकअप के 'ग्लो' करना पूरी तरह से आपकी सेहत, अनुशासन और स्किन की बुनियादी देखभाल पर निर्भर करता है। आइए जानते हैं ऐसे ब्यूटी हैक्स, जिनकी मदद से आप भी पा सकते हैं बिना मेकअप लुक।

त्वचा को हाइड्रेट रखें

दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं। ऐसा करने से चेहरे के टॉक्सिन्स बाहर निकालने की वजह से त्वचा पर नेचुरल निखार आता है। हफ्ते में 2-3 बार नारियल पानी पीने से त्वचा में नमी बनी रहती है।

'CTM' रूटीन को फॉलो करें

बिना मेकअप के त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए स्किन का साफ और हेल्दी रखना जरूरी है। इसके लिए दिन में दो बार माइल्ड फेसवॉश से चेहरा धोएं। टोनिंग करने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल टोनर की तरह करें, यह रोमछिद्रों को टाइट रखता है। चेहरे को मॉइस्चराइज रखने के लिए अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं।

सनस्क्रीन भी है जरूरी

भले ही आप घर के अंदर हों, SPF 30 या उससे ऊपर का सनस्क्रीन चेहरे को यूवी किरणों से बचाने के लिए जरूर लगाएं। यह पिगमेंटेशन, काले धब्बे और समय से पहले आने वाली झुर्रियों से बचाव करता है।

आंखों और होंठों का ख्याल रखें

डार्क सर्कल्स से बचाव करने के लिए 7-8 घंटे की नींद लें। आंखों के नीचे ठंडे टी-बैग्स या खीरे के स्लाइस रखें। होंठों का गुलाबी निखार बनाए रखने के लिए रात को सोते समय होंठों पर घी या मलाई लगाएं। हफ्ते में एक बार चीनी और शहद से होंठों को स्क्रब करें।

आइब्रो और बालों को संवारें

अच्छी तरह से बनी हुई आइब्रो आपके चेहरे को एक स्ट्रक्चर देती है और आप बिना मेकअप के भी प्रेजेंटेबल लगती है। बालों को साफ रखें और अपने चेहरे के हिसाब से एक अच्छा हेयरकट लें।

अच्छी डाइट और एक्सरसाइज

अपनी डाइट में फ्रूट, हरी सब्जियां और नट्स शामिल करें। रोजाना 20 मिनट की एक्सरसाइज या योग करने से चेहरे पर 'ब्लड सर्कुलेशन' बढ़ता है, जिससे चेहरे पर नेचुरल गुलाबी निखार आता है।

शारीरिक और मानसिक विकास के लिए न्यूट्रिशन की जरूरत

बढ़ते हुए बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए ढेर सारे न्यूट्रिशन की जरूरत होती है,लेकिन काफी सारे बच्चों की डाइट में इन न्यूट्रिशन की पूर्ति नहीं हो पाती। जिसकी वजह से उनके फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर असर पड़ता है। काफी सारे बच्चों की हाइट नहीं बढ़ती तो वहीं काफी सारे बच्चों का माइंड शार्प नहीं होता या उनकी मेमोरी शार्प नहीं होती। जिससे पढ़ा-लिखा भूल जाते हैं। अगर आप बच्चे के फिजिकल और मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाना चाहती हैं तो उसे दूध में मिलाकर इन चीजों को दें। जो ना केवल फिजिकल बल्कि मेंटली भी स्ट्रांग बनाने में मदद करेंगे।

दूध में इन चीजों को मिलाकर पिलाएं

500 मिली उबले दूध को मिक्सर जार में डालें। ध्यान रहे कि ये दूध बहुत ज्यादा गर्म ना हो। दूध को हल्का गर्म ही रखें। उसमें दस भीगे बादाम, दस भीगे अखरोट को डालें। साथ ही आधा छोटा चम्मच शतावरी पाउडर, एक छोटा चम्मच अश्वगंधा पाउडर, एक चम्मच भुने सफेद तिल को मिलाएं। मिठास के लिए थोड़ा सा शहद मिला लें। अब ब्लेंडर में पीस लें।

रोजाना पिलाएं

बच्चों को रोजाना सुबह खाली पेट और रात को सोने से पहले एक कप दूध को पिलाएं। इससे बढ़ते हुए बच्चे जो दस से बारह साल की उम्र में होते हैं। उनमें हार्मोन को रेगुलेट करने के साथ ही हड्डियों के विकास में भी मदद करते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि बच्चे को किसी तरह की बीमारी हो या फिर बच्चे के लिए खास तरह की खानपान से जुड़ी सावधानियां बताई गई हो तो उन्हें ये दूध नहीं पिलाना चाहिए। या पिलाने से पहले डॉक्टर से कन्सर्ट कर लेना चाहिए। शतावरी की एक-एक ग्राम मात्रा मिलाकर बच्चों को देने से उनकी हाइट को बढ़ाने में मदद मिलती है।

अश्वगंधा और शतावरी के फायदे

बादाम और अखरोट में मौजूद तत्व माइंड की ग्रोथ में जरूरी भूमिका निभाते हैं। आयुर्वेद में अश्वगंधा और शतावरी के कई सारे फायदे बताए गए हैं। बच्चों की हाइट बढ़ानी हो तो उन्हें अश्वगंधा मददगार होती है।

गमले में कैसे उगाएं तेज पत्ता?

खाने का जायका बढ़ाने में तेज पत्ता काफी मदद करता है। 1-2 तेज पत्ता अगर सब्जी में डाल दिया जाए, तो इसकी खुशबू से पूरी सब्जी महक उठती है। तेज पत्ता सेहत के लिए काफी फायदेमंद भी होता है। तेज पत्ता में यूजेनॉल, लिनालूल और सिनेओल जैसे तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन A, विटामिन C, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

तेजपत्ता का पौधा लंबा होता है, इसलिए गमला थोड़ा बड़ा चुनें। इसमें अच्छी मिट्टी भरें और गोबर-चायपत्ती मिक्स करके डालें। इससे मिट्टी को पोषण मिलेगा और खाद्य बन जाएगी। गमले में पानी निकासी के लिए नीचे की ओर छोटा सा छेद बनाएं। मिट्टी को इसमें अच्छे से भर दें और हाथों से दबाएं। फिर तेजपत्ता के पौधे की कटिंग या फिर बीज लाकर मिट्टी में डालना होगा।

मिट्टी में 4-5 इंच गड्ढा करें और इसमें कटिंग या बीज को डालकर दबाएं। जरा सा पानी डालकर कटिंग-बीज को अच्छे से सेट करें। पौधे की कटिंग से तेजपत्ता जल्दी निकल आएगा और ये आपको किसी भी नर्सरी से मिल जाएगी। पौधे को लगाने के बाद 2 दिन तक पानी बिल्कुल न डालें। जब मिट्टी पूरी तरह से सूखी नजर आए, तभी इसमें पानी डालें। ज्यादा पानी देने से पौधे की मिट्टी और इसकी जड़े सड़ जाएंगी। इस गमले को रोजाना 5-6 घंटे की धूप दिखाना भी जरूरी है, वरना पौधा मुरझा जाएगा। 15 दिन में एक बार गोबर, चाय पत्ती या जैविक खाद्य जैसे फल-सब्जियों के छिलके इसमें डाल दें। इससे मिट्टी पोषण से भरपूर रहेगी और पौधा जल्दी निकलेगा। कीड़ों से बचाने के लिए मिट्टी में नीम के तेल का छिड़काव करें। इससे पौधे में कीड़े नहीं लगेंगे। महीने भर में पौधे में छोटी पत्तियां निकलने लगेंगी और ये धीरे-धीरे बढ़ेंगी। फिर आप इन्हें तोड़कर धूप में सुखाएं। बाजार जैसा तेजपत्ता तैयार हो जाएगा। बिना सुखाए भी तेजपत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी खुशबू सब्जी का स्वाद बढ़ा देगी।

बच्चों को दें अच्छे संस्कार

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा बड़ा हो कर एक समझदार, दयालु और इमोशनली स्ट्रांग इंसान बने। लेकिन बच्चे में ये गुण सख्ती, डांट या लंबे उपदेशों से नहीं आते। ये रोज के छोटे व्यवहारों से बनते हैं, जो आप अपने बच्चे को सिखाते और दिखाते हैं। बच्चा आपकी बातें कम और आपका व्यवहार ज्यादा अपनाता है, खासकर तब जब आप थके हों, नाराज हों या हालात आपके मन के अनुसार ना हों। ऐसे पलों में आप जो व्यवहार करते हैं, बच्चा भी वही सीखता है।

बच्चे को रिएक्ट करने से पहले रुकना सिखाएं

जब आपका बच्चा गुस्से में तुरंत बोल देता है या कुछ कर बैठता है, तो उसे बस चुप कराने की कोशिश ना करें। उसे यह सिखाएं कि गुस्सा आने पर तुरंत रिएक्ट करने के बजाय थोड़ी देर रुकना चाहिए। आप उसे समझा सकते हैं कि रुकने से दिमाग शांत होता है और इससे सही फैसला लेना आसान होता है। यह आदत आपके बच्चे को खुद पर कंट्रोल करना सिखाएगी, जो जीवन में बहुत काम आती है।

दूसरों की बातों को ध्यान से सुनना सिखाएं

जब आप अपने बच्चे की बात ध्यान से सुनते हैं, तो वह खुद को महत्वपूर्ण महसूस करता है। इसी तरह आप उसे भी सिखा सकते हैं कि दूसरों की बात बीच में ना काटे और पूरा सुने। इससे उसके अंदर सम्मान और समझ पैदा होती है। ऐसे बच्चे आगे चलकर रिश्तों को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं।

गलती मानना सिखाएं

आप अपने बच्चे को यह जरूर सिखाएं कि गलती होना आम है। इसलिए जब भी गलती हो जाए तो उसे एक्सेप्ट कर लेना चाहिए। आप खुद भी अपनी गलती मानते हैं, तो बच्चा भी यही सीखता है। उसे समझ आता है कि सच्ची हिम्मत गलती छिपाने में नहीं, बल्कि उसे स्वीकार करने में है। इससे उसमें ईमानदारी और आत्मविश्वास आता है।

पावभाजी पराठा

अगर आप रोज-रोज वही बोरिंग सादा आलू-गोभी या मेथी का पराठा खाकर ऊब चुके हैं, तो अब ट्राई करें झटपट बनने वाला टेस्टी पावभाजी पराठा। यह टेस्टी पराठा आपके जायके को एक जबरदस्त किक देने वाला है। खास बात यह है कि यह पराठा सिर्फ एक डिश नहीं, बल्कि पावभाजी के तीखेपन और पराठे की कुरकुरी परत का एक लाजवाब कॉम्बो है। बच्चों के टिफिन से लेकर संडे ब्रंच तक, यह पराठा उन सभी के लिए परफेक्ट रेसिपी है जो खाने में थोड़ा 'एक्स्ट्रा' तड़का ढूंढ रहे हैं।

बनाने के लिए सामग्री

2 कप गेहूं का आटा, नमक स्वादानुसार, पराठे का आटा गूंधने के लिए पानी, घी आवश्यकतानुसार

पाव भाजी की स्टफिंग तैयार करने के लिए

3 उबले आलू (मैश किए हुए), कप उबली हुई फूलगोभी, कप उबले हुए मटर, 1 बारीक कटी प्याज, 2 बारीक कटे हुए टमाटर, 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 छोटे चम्मच पाव भाजी मसाला, छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, छोटा चम्मच हल्दी, नमक स्वादानुसार, 1 बड़ा चम्मच मक्खन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 चम्मच नींबू का रस

कैसे बनाया जाता है पाव भाजी पराठा

पाव भाजी तैयार करने के लिए सबसे पहले कड़ाही में मक्खन गरम करके उसमें प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूने। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर खुशबू आने तक पकाएं। अब टमाटर डालकर तब तक पकाएं जब तक वे गलकर नरम न हो जाएं। इसके बाद कड़ाही में हल्दी, लाल मिर्च, नमक और पाव भाजी मसाला डालकर अच्छे से मिलाने के बाद उबली हुई सब्जियां डालकर अच्छे से मैश करते हुए 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में नींबू का रस और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

पराठा बनाएं

पाव भाजी पराठा बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे में नमक डालकर नरम आटा गूंध लें। इसके बाद आटे की लोई लेकर हल्का बेलें और बीच में पाव भाजी की स्टफिंग रख दें। इसके बाद लोई बंद करके हल्के हाथों से पराठा बेल लें। पराठे को गरम तवे पर डालकर दोनों तरफ से घी लगाते हुए सुनहरा होने तक सेंकें।

योग, संस्कार और जीवन कौशल का होगा अनूठा, संगम, 3 मई से कोहका में होगा महीने भर का आयोजन

पतंजलि के बाल योग गुरुकुल ग्रीष्मकालीन शिविर में निखारेंगे बच्चों का व्यक्तित्व

भिलाई। पतंजलि योग समिति, जिला दुर्ग की ओर से बाल योग गुरुकुल ग्रीष्मकालीन शिविर 2026 का आयोजन 3 मई से 27 मई तक पतंजलि गौशाला परिसर, कोहका, भिलाई में किया जा रहा है। ग्रीष्म अवकाश को बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सार्थक बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में कक्षा छठवीं से 12वीं तक के बालक-बालिकाओं को योग, भारतीय संस्कृति, नैतिक शिक्षा एवं जीवन कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से 9:00 बजे तक इस शिविर में बच्चों के लिए योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार एवं ध्यान, गीता एवं रामायण के श्लोक, चौपाइयों का अध्ययन और जीवन में प्रयोग,जीवन कौशल (अनुशासन, समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता), संस्कार आधारित खेल एवं योग प्रतियोगिताएं, चित्रकला, भजन, नाटक, वक्तृत्व एवं रचनात्मक गतिविधियाँ, सेवा कार्य, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण जैसी गतिविधियां होंगी। इसके साथ ही प्रत्येक सप्ताह विशेष थीम के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, संस्कार, आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिकता का विकास किया जाएगा। जिले के सभी जोनों का सक्रिय सहयोग रहेगा।

शिविर को सफल बनाने टीम सक्रिय- इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने हेतु पतंजलि योग समिति, जिला दुर्ग के चारों जोनों के पदाधिकारी एवं योग शिक्षक सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इनमें दुर्ग जोन से उद्धव राम साहू, संदीप गुप्ता, सेक्टर जोन से जयंत भारती, राजेश तिवारी, बिसेन, वैशाली नगर जोन से शंभू कुशवाहा, तिजऊ राम साहू, अनूप बंसल, एस.के. रंधावा, भिलाई-3 जोन से श्रीनिवास राव, आर.के. वैद्य एवं अन्य समर्पित पतंजलि कार्यकर्ता शामिल हैं। इस शिविर में प्रवेश हेतु अभिभावक अपने बच्चों का पंजीयन ऑनलाइन लिंक के माध्यम से होगा। वहीं सीधे पतंजलि योग समिति के पदाधिकारियों से संपर्क कर भी पंजीयन करा सकते हैं। शिविर के अंत में भव्य समापन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें योग प्रदर्शन, नाटक (रामायण/महाभारत आधारित),बच्चों के प्रेरक भाषण, अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुति जैसी गतिविधियाँ विशेष आकर्षण होंगी।

सार्वजनिक स्थान पर आत्महत्या से मचा हड़कंप, पुलिस की सुस्ती पर उठे सवाल

6 घंटे तक पेड़ पर लटका रहा शव, कांग्रेस नेताओं ने सौंपा ज्ञापन

भिलाई। शहर के सेक्टर-4, सड़क 36 में 12 अप्रैल (रविवार) सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां अजय प्रजापति (उम्र 36 वर्ष) ने सार्वजनिक स्थान पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सुबह लगभग 4 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को समय पर दे दी गई थी, इसके बावजूद सुबह 10 बजे तक शव पेड़ पर लटका रहा। इस स्थिति ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

समाज में भय और असहजता का माहौल-घटना के बाद क्षेत्र में भय, असहजता और मानसिक दबाव का माहौल देखा गया। लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं और संवेदनशील मामलों में प्रशासन की तत्परता आवश्यक है। वहीं, कुछ युवाओं द्वारा मौके पर सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम और फेसबुक) के लिए रील बनाते भी देखा गया, जिसे लेकर भी लोगों में नाराजगी जताई गई।

कांग्रेस नेताओं ने उठाई आवाज-मामले को गंभीरता से लेते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी-3 के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा और जोन-5 अध्यक्ष राजेश चौधरी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि : पुलिस सामाजिक संवेदनशील मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करे। ऐसी घटनाओं से समाज में डर और भ्रम की स्थिति न बने, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत किया जाए।

ज्ञापन सौंपने में रहे उपस्थित-इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख रूप से: ख्वाजा अहमद (ब्लॉक उपाध्यक्ष), आशीष यादव, पार्षद सुरेश वर्मा, हरीश सिंह, मंडल अध्यक्ष अभिषेक अवस्थी, लक्ष्मण सिंह, ब्लॉक महामंत्री घनु मिश्रा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रमाकांत दिशलहरे, आदि नारायण, मेशांक मिश्रा, फतेह सिंह, देवेंद्र ठाकुर, लोकेश, निउभ सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

प्रशासन से जवाबदेही की मांग-कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि पुलिस को केवल अपराध नियंत्रण ही नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता से जुड़े मामलों में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं के बाद अव्यवस्था और भय का माहौल न बने।

महिला आरक्षण नहीं, हक का पूरा नक्शा चाहिए, मधु गुप्ता ने जातीय जनगणना को बताया असली कुंजी

850 सीटें,तब मिलेगा न्याय?, महिला आरक्षण पर कांग्रेस, नेता का बड़ा बयान

रामानुजगंज। महिला आरक्षण विधेयक पर राजनीतिक बहस के बीच ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष मधु गुप्ता ने स्पष्ट रुख रखा है। उनका कहना है कि केवल आरक्षण की घोषणा पर्याप्त नहीं,बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए जातिगत जनगणना अनिवार्य है। मधु गुप्ता ने कहा कि देश में महिला आरक्षण की अवधारणा कांग्रेस शासनकाल में सामने आई थी,लेकिन समय के साथ इसे लागू करने की प्रक्रिया जटिल होती गई। उन्होंने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सवाल उठाते हुए कहा कि जब तक समाज के विभिन्न वर्गों की वास्तविक संख्या सामने नहीं आएगी,तब तक आरक्षण का लाभ संतुलित तरीके से नहीं पहुंच सकता। उन्होंने 2029 तक महिला आरक्षण लागू करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इसके लिए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाना जरूरी होगा। उनका तर्क है कि यदि सीटों को बढ़ाकर लगभग 850 किया जाता है और इसके लिए परिसीमन आयोग गठित किया जाता है,तभी सभी वर्गों को खासकर महिलाओं और पिछड़े समुदायों को समुचित प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। मधु गुप्ता ने यह भी कहा कि पुराने आंकड़ों के आधार पर नई व्यवस्था लागू करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार जातिगत जनगणना से क्यों बच रही है,जबकि यही प्रक्रिया समाज की वास्तविक संरचना को सामने लाएगी। ओबीसी वर्ग को लेकर उन्होंने विशेष चिंता जताई। उनका कहना है कि यह वर्ग बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है,लेकिन नीति निर्माण में इसकी हिस्सेदारी स्पष्ट नहीं है। -जब तक आंकड़े सामने नहीं आएंगे,तब तक हक की बात अधूरी रहेगी,- उन्होंने कहा। मधु गुप्ता ने आरोप लगाया कि वर्तमान विधेयक में ओबीसी वर्ग की हिस्सेदारी स्पष्ट किए बिना आगे बढ़ने की कोशिश की जा रही है,जो लंबे समय में प्रतिनिधित्व के सवाल को और जटिल बना सकती है।

पाहंदा (अ) पंचायत में निर्माण कार्यों पर सवाल, पूर्व आवेदन पर कार्रवाई नहीं—अब RTI के तहत मांगी जानकारी

पाटन । जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत पाहंदा (अ) में वर्ष 2024-25 से जनवरी 2026 तक कराए गए विभिन्न निर्माण कार्यों एवं मदों में अनियमितताओं को लेकर एक बार फिर मामला गरमा गया है। गौरतलब है कि इस संबंध में कुलेश्वर निर्मलकर द्वारा 23 मार्च 2026 को मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत पाटन को लिखित आवेदन देकर निर्माण कार्यों, स्वीकृत राशि एवं भुगतान प्रक्रिया व सरपंच पति व परिवार को की गई भुगतान की जांच की मांग की गई थी। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि कुछ कार्यों में बिना स्वीकृति, बिना मूल्यांकन एवं बिना प्रस्ताव के ही दो दो बार भुगतान किया गया है, जो गंभीर वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। हालांकि, उक्त लिखित आवेदन पर अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं होने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। न तो जांच की स्थिति स्पष्ट की गई है और न ही संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कोई कदम सामने आया है। इसी परिप्रेक्ष्य में अब आवेदक सुरेंद्र साहू द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत आवेदन प्रस्तुत कर पूरे मामले की विस्तृत जानकारी मांगी गई है। RTI आवेदन के माध्यम से जांच अधिकारी की नियुक्ति, अब तक की प्रगति, निष्कर्ष, एवं प्रस्तावित कार्रवाई की जानकारी मांगी गई है। साथ ही यह भी पूछा गया है कि संबंधित तत्कालीन सचिव एवं सरपंच से स्पष्टीकरण लिया गया है या नहीं। यदि जांच पूर्ण हो चुकी है तो उसकी प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराने तथा जांच लंबित होने की स्थिति में वर्तमान स्थिति (स्टेटस रिपोर्ट) देने की मांग की गई है। स्थानीय स्तर पर यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है, वहीं आम नागरिकों में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर पूर्व में दिए गए आवेदन पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। प्रकरण में जनसूचना अधिकारी, जनपद पंचायत पाटन से नियमानुसार शीघ्र जानकारी उपलब्ध कराने एवं मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

रायपुर। परशुराम सेवा मंडल गुढ़ियारी पड़ाव द्वारा भगवान परशुराम जी की महाआरती किया गया एवं भव्य भंडारा का आयोजन किया गया।

अक्षय तृतीया पर भक्ति,परंपरा और उत्साहः परशुराम जन्मोत्सव में सजी आस्था की झांकी शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

रामानुजगंज । अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर नगर में ब्राम्हण समाज ने भगवान परशुराम का जन्मोत्सव पूरे श्रद्धा,उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। सुबह शिव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई,जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे और समाज की सुख-समृद्धि व शांति की कामना की गई। पूजा के बाद नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भगवान परशुराम की आकर्षक झांकी के साथ श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में भक्ति गीतों और जयघोषों के बीच आगे बढ़े। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहां नागरिकों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान रखा गया, वहीं श्रद्धालुओं के लिए पानी और प्रसाद की भी व्यापक व्यवस्था की गई। शोभायात्रा पुनःशिव मंदिर प्रांगण पहुंची,जहां सामाजिक संवाद का दौर चला। वक्ताओं ने समाज में आपसी सौहार्द और मजबूत संबंध बनाए रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों मे योगेंद्र ओझा, विजय नाथ चौबे, लाल बिहारी चौबे,उमाशंकर चौबे और सतनारायण तिवारी का माल्यार्पण, शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भंडारे के साथ हुआ। आयोजन में मधुसूदन चौबे, पारस पांडे, डॉ.गोरखनाथ पांडे,विपिन पाठक, दिनेश चौबे, ऋषि द्विवेदी, श्याम कुशल पांडे, अरविंद दुबे, मनोज दुबे, अनुपम पांडे, विकास दुबे, अनिल पांडे, राजा तिवारी, जय चौबे, दिवाकर द्विवेदी, विनय पांडे, रमेश मिश्रा, विष्णु पांडे, उज्वल तिवारी,वेद प्रकाश तिवारी, निशांत चौबे, दामोदर मिश्र, रितेश पांडे,आनंद मिश्रा, सूरज मिश्रा, संतोष पांडे, आशु चौबे, दीपक दुबे, आनंद चौबे, बिट्टू चौबे, अर्पित तिवारी, सूर्यमणि पांडे सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

आँगन बाड़ी कार्यकर्ता संघ ने बिलासपुर के जिला परियोजना–कार्यक्रम अधिकारी से बेलगहना सेक्टर के सुपरवाईजर के भ्रष्टाचार की शिकायत की

संघ की जिलाध्यक्ष सहित पदाधिकारियों ने की शिकायत

कोटा। बिलासपुर- छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ के बैनर तले संघ की जिला अध्यक्ष मंजू कोमल मेश्राम और संघ के पदाधिकारियों ने बेलगहना सेक्टर के पर्यवेक्षक किर्ति किरण मोगरे के भ्रष्टाचार एवं दुर्व्यवहार से संबंधित शिकायत बिलासपुर जिला परियोजना एवम कार्यक्रम अधिकारी से की, और उचित एवम निष्पक्ष कार्यवाई की मांग की है। आपने शिकायत आवेदान में उन्होंने अधिकारियों से निवेदन किया है कि बेलगहना सेक्टर सुपरवाइजर किर्ति किरण मोगरे के द्वारा बेलगहना सेक्टर में पैसों की मांग लगभग सभी कार्यों के लिए की जाती है तथा नहीं देने पर कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जाना एवं उनके परिजनों से गाली गलौज एवं बदतमीजी किये जाने की गंभीर शिकायत काफी समय से प्राप्त होती रही है इसके विस्तृत विवरण के लिए शिकायत की प्रति साथ में संलग्न है। महोदय इनके द्वारा बेलगहना सेक्टर में सहपर्यवेक्षक के रूप में एक कार्यकर्ता जिनका नाम ललिता यादव है को रखा गया है उनको इन्होंने अपनी आईडी दी हुई है उसके द्वारा इनका समस्त लेनदेन किया जाता है तथा उसी के द्वारा अपना समस्त कार्य (शासकीय कार्य भी) कराया जाता है और कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित भी किया जाता है। महोदय इस प्रकार से अपना असिस्टेंट रखना शासकीय सेवा नियमावली के एकदम विरुद्ध है गैर कानूनी है और इन सभी के साक्ष्य उपलब्ध हैं और संलग्न हैं। कीर्ति किरण मोगरे के द्वारा पूर्व में भी भ्रष्टाचार किया गया था जब वह चपोरा सेक्टर में पदस्थ थी उस समय उन्होंने महतारी वंदन योजना में दो मृत व्यक्तियों का नाम शामिल कर दिया था इस कारण उन्हें पहले भी हटाया जा चुका है लेकिन उनके आचरण में कोई सुधार नहीं हुआ है उल्टे उनके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई है।

महोदय वर्तमान में जो शिकायत प्राप्त हुई है वह बहुत ही गंभीर है और अपमानजनक है अतः इस संबंध में निवेदन है कि उन पर कठोर कार्यवाही की जाए और शीघ्र ही उन्हें वहां से हटाकर, तब जांच की जाए, जिससे जांच निष्पक्ष हो सके अन्यथा उनके द्वारा जांच को प्रभावित करने के लिए अन्य कार्यकर्ताओं को भी भयभीत कर प्रभावित किया जाएगा। अतः उपरोक्त सभी संबंधों में महोदय से अपेक्षा है कि शीघ्र ही कड़ी से कड़ी कार्यवाही करें और ऐसा नहीं होने पर हमारा छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। जिला अध्यक्ष के द्वारा उक्त शिकायत पत्र के माध्यम से अधिकारियों को अपने विरोध,निवेदन से अवगत कराते हुए स्पष्ट किया गया है कि इस मामले में लीपापोती न कि जाए निष्पक्ष जाँच की जाए और जांच के पहले वहां से सुपरवाइजर को बाहर भेजा जाय क्योंकि उनके द्वारा लगातार कार्यकर्तो पर दबाव व भय का वातावरण निर्मित की जा रहा है जो उचित नही है। यदि उचित निष्पक्ष जांच न करके सुपरवाइजर को बचाने की कोशिश की जाती है तो संघ आंदोलन का मार्ग अपनाएगा जिसकी सारी जिम्मेदार संबंधित अधिकारियों की होगी।

किसान का आरोप शासकीय भूमि पर अवैध मिट्टी उत्खनन से खेत को भारी नुकसान, कार्रवाई की मांग

अम्लेश्वर पाटन। नगर पालिका परिषद अम्लेश्वर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मगरघटा, जिला दुर्ग के निवासी शिरीष चंद्र अग्रवाल किसान ने जिला प्रशासन को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि उनके खसरा क्रमांक 485 स्थित खेत के आसपास शासकीय भूमि पर बने बरसाती नालों से अवैध रूप से मिट्टी निकाली जा रही है, जिससे उनके खेत के आवागमन मार्ग में बाधा उत्पन्न हो रही है और खेत को गंभीर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, इस पूरे मामले में विमल अग्रवाल (मल्टी स्पोर्ट्स सिटी) तथा उनके मैनेजर दिलीप मिश्रा की भूमिका सामने आई है। आरोप है कि बीते 3-4 वर्षों से लगातार नाले के किनारों से छेड़छाड़ कर खेत तक पहुंचने के रास्ते को प्रभावित किया जा रहा है तथा खेत की सुरक्षा हेतु बनाए गए बांध को भी तोड़ा गया है। किसान ने बताया कि इस कृत्य से उसकी खेती प्रभावित हो रही है और उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 303, 324, 326, 270, 329 सहित पर्यावरण संरक्षण अधिनियम एवं जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, किसान ने प्रशासन से नाले के किनारों पर पक्की दीवार निर्माण कराने एवं हुए नुकसान की भरपाई करने की मांग की है। किसान ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो वे उच्च अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराने को बाध्य होंगे। वही मगरघटा के निवासी मनोज यादव और ग्रामीणों का कहना है कि 484 खसरा नंबर की खोदाई की है जिसका पटवारी के द्वारा निरीक्षण भी किया गया साथ ही गांव देवंता भैंसासुर के आस पास के जमीन को भी नुकसान पहुंचा है।जिसकी शिकायत जिला प्रशासन से की गई है।

ऑडियो विवाद में गिरी कुर्सी : सीएमओ प्रणव राय का डिवोशन,सरकार का सख्त एक्शन

रामानुजगंज। सरगुजा संभाग में सामने आए एक ऑडियो विवाद ने नगरीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऑडियो में कार्यकर्ताओं के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल सुनाई देने के बाद कार्रवाई हुई और बलरामपुर नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रणव राय को पदावनत कर नगर पंचायत स्तर पर भेज दिया गया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने आदेश जारी करते हुए प्रणव राय को रायगढ़ जिले के तमनार नगर पंचायत में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में पदस्थ किया है। वहीं बलरामपुर नगर पालिका परिषद की जिम्मेदारी अब दीपक एक्का को सौंपी गई है। यह फैसला ऑडियो सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर पर बढ़े दबाव के बीच लिया गया।

वायरल ऑडियो ने बढ़ाया विवाद

वायरल ऑडियो में संबंधित अधिकारी कार्यकर्ताओं के लिए अशोभनीय और भद्दी टिप्पणियां करते सुनाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं,बातचीत में रिकॉर्डिंग सुनाने तक की बात कही गई। ऑडियो सामने आने के बाद मामला तेजी से तूल पकड़ गया और प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी। हालांकि ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि जांच का विषय बनी हुई है।

संरक्षण के आरोप, सिस्टम पर सवाल

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि बिना राजनीतिक संरक्षण के इस तरह का व्यवहार संभव नहीं होता। यही वजह है कि मामला केवल एक अधिकारी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जिले में कार्यप्रणाली पर पहले से सवाल

बलरामपुर जिले में कुछ अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। आरोप है कि कुछ अधिकारी मुख्यालय से दूर रहकर भी पद संभालते हैं,जबकि निगरानी और निरीक्षण की व्यवस्था कमजोर बनी हुई है।

नियमित निरीक्षण के अभाव में जवाबदेही तय नहीं हो पा रही,जिसका फायदा लापरवाही और अनियमितता को मिल रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com